सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

सु-विचार

"ooooo" ...!!

अज्ञात...

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-70 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 31 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

संयंत्र ने हॉट मेटल उत्पादन में 6 मिलियन टन का नया कीर्तिमान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र ने परिचालन उत्कृष्टता एवं सामूहिक प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए हॉट मेटल उत्पादन में वित्तीय वर्ष 2025-2026 में 6 मिलियन टन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर एक नया कीतिर्मान स्थापित किया है। यह उपलब्धि संयंत्र की समृद्ध विरासत में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ती है।

उल्लेखनीय है कि संयंत्र ने वर्ष 2005-06 में पहली बार 5 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का लक्ष्य उस समय प्राप्त किया था, जब सात ब्लास्ट फर्नेस संचालित थे। इसके विपरीत वर्तमान में मात्र चार ब्लास्ट फर्नेस के संचालन के साथ 6 मिलियन टन का यह माइलस्टोन हासिल किया जाना संयंत्र की दक्षता, तकनीकी उन्नयन एवं परिचालन अनुशासन को दर्शाता है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार एवं वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्यों ने ब्लास्ट फर्नेस सामूहिक एवं सभी हितधारकों को उनके समर्पण एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए हार्दिक बधाई दी। प्रबंधन ने ब्लास्ट फर्नेस के प्रदर्शन में निरंतर सुधार की सराहना करते हुए इस उपलब्धि को भविष्य की प्रगति के लिए एक मानक बताया तथा टीमों को इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ते हुए और उच्च उत्पादन लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

शीतला मंदिर में भगदड़, 8 महिलाओं की मौत

विशेष संवाददाता संदीप सिंह / नालंदा / बिहार शरीफ

चैत्र नवरात्रि के अंतिम मंगलवार पर आस्था का सैलाब उस वक्त त्रासदी में बदल गया, जब शीतला माता मंदिर मघड़ा में भारी भीड़ के बीच भगदड़ मच गई। इस ददर्नाक हादसे में अब तक 8 महिलाओं की मौत हो चुकी है, जबकि 15 से अधिक श्रद्धालु घायल बताए जा रहे हैं। मंगलवार को करीब 10 से 20 हजार श्रद्धालु मंदिर में पूजा-अचर्ना के लिए पहुंचे थे। मंदिर परिसर छोटा होने और भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण हालात बिगड़ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ श्रद्धालुओं के कतार तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश के बाद अचानक धक्का-मुक्की शुरू हो गई। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई और भगदड़ मच गई, जिसमें ज्यादातर महिलाएं चपेट में आ गईं। सूचना मिलते ही बिहारशरीफ प्रशासन हरकत में आया। एसडीएम और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों व जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंदिर परिसर को खाली कराकर स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया है।

सीएम ने जताया दुख, मुआवजे का ऐलान

घटना पर नीतीश कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 6 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इस हादसे के बाद एक बार फिर बड़े धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पहले से पर्याप्त इंतजाम होते, तो इस तरह की घटना टाली जा सकती थी। फिलहाल इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है।

त्वरित टिप्पणी

लाल गलियारे का अंत

लोकतंत्र की निर्णायक जीत

आलोक तिवारी

चार दशक से अधिक समय तक देश, विशेषकर छत्तीसगढ़ का बस्तर अंचल, नक्सलवाद के लाल आतंक से कराहता रहा। जंगलों में पनपी यह हिंसक विचारधारा केवल सुरक्षा चुनौती नहीं थी, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को उखाड़ फेंकने की एक संगठित साजिश थी। पशुपतिनाथ से तिरुपति तक रेड कॉरिडोर का सपना दरअसल उसी सोच का प्रतीक था, जिसमें बंदूक के बल पर सत्ता स्थापित कर जनता की आवाज को कुचलना था।

80-90 के दशक में बस्तर के जंगलों से मिली तथाकथित लाल डायरी ने इस मंसूबे का खुलासा किया था। इसके बाद वर्षों तक छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों में खून-खराबा, लूट और दहशत का दौर चलता रहा। मानपुर, छुरिया, गीदम जैसे इलाकों में पुलिस थानों पर हमले, हथियारों की लूट और जवानों की शहादत इस काले इतिहास के गवाह हैं।

नक्सलवाद की इस आग में केवल सुरक्षा बल ही नहीं, बल्कि आम नागरिक भी झुलसे। बस्तर के गांव खाली हुए, राहत शिविर बने, स्कूल और अस्पताल उड़ा दिए गए। विकास की हर संभावना को बारूद से उड़ाकर आदिवासी अंचल को दशकों पीछे धकेल दिया गया। झीरम घाटी हत्याकांड ने तो लोकतंत्र को ही लहूलुहान कर दिया, जहां प्रदेश की शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व तक को निशाना बनाया गया।

इस दौर में सलवा जुडूम जैसा जनआंदोलन भी खड़ा हुआ, जिसने नक्सलवाद के खिलाफ सामाजिक प्रतिरोध की मिसाल पेश की। हालांकि बाद में न्यायिक हस्तक्षेप के चलते यह थम गया, लेकिन इसने यह जरूर साबित किया कि जनता स्वयं इस हिंसा से मुक्ति चाहती थी।

अब 31 मार्च 2026 एक निर्णायक तारीख के रूप में सामने आई है। केंद्र की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और राज्यों के समन्वय, साथ ही सुरक्षा बलों के अदम्य साहस ने नक्सलवाद को अंतिम दौर में ला खड़ा किया है। एक ओर जहां आत्मसमर्पण करने वालों के लिए पुनर्वास नीति बनी, वहीं हथियार नहीं छोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

यह केवल सुरक्षा अभियान की सफलता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीत है। रेड कॉरिडोर का सपना अब चकनाचूर हो चुका है। बस्तर की वादियों में अब बारूद नहीं, विकास और विश्वास की गूंज सुनाई देने लगी है।

भिलाई-चरौदा नगर निगम में का लाभ का बजट हंगामे के बीच पेश

विकास कार्यों पर करोड़ों का प्रावधान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-3

नगर पालिका निगम भिलाई-चरौदा में महापौर निर्मल कोसरे ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का अंतिम बजट हंगामे के बीच पेश किया। इसे लाभ का बजट बताया गया, जिसमें शहर के समग्र विकास के लिए करोड़ों रुपए के प्रावधान किए गए हैं। हालांकि, बजट सत्र के दौरान पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक और हंगामे की स्थिति भी बनी रही।

निगम द्वारा प्रस्तुत बजट के अनुसार वर्ष 2026-27 के लिए कुल आय 38,309.75 लाख और व्यय 38,214.98 लाख अनुमानित है, जिससे लगभग 6,790.26 लाख का अंतिम शेष दर्शाया गया है। वहीं पुनरीक्षित बजट 2025-26 में आय 9,204.65 लाख और व्यय 9,141.42 लाख दर्ज किया गया।

आय के प्रमुख स्रोत

निगम की आय का बड़ा हिस्सा अनुदान एवं अंशदान से आने वाला है, जो 2026-27 में 35,727.02 लाख अनुमानित है। इसके अलावा संपत्तिकर, जलकर, नगर पालिका कर, दुकानों और भूखंडों से आय सहित अन्य स्रोतों से भी राजस्व प्राप्ति का प्रावधान किया गया है।

विकास कार्यों पर फोकस

बजट में शहर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है।

जलप्रदाय योजना: मोरिद जलाशय से नई पाइपलाइन, इंटेक वेल निर्माण और 6 स्थानों पर उच्च स्तरीय पानी टंकी के लिए प्रावधान है।

सड़क व इंफ्रास्ट्रक्चर: केनाल रोड निर्माण के लिए 6800 लाख, विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली और पुलिया निर्माण।

खेल व सांस्कृतिक विकास: मिनी स्टेडियम, इंडोर स्टेडियम, खेल परिसरों के उन्नयन और सांस्कृतिक मंच निर्माण।

सफाई व्यवस्था: कम्पोस्ट प्लांट, कचरा प्रबंधन, रछफ्ट सेंटर और सफाई ठेका के लिए बजट

प्रकाश व्यवस्था: सोलर लाइट और प्रमुख मार्गों पर पथ प्रकाश के लिए करोड़ों का प्रावधान

जनकल्याणकारी योजनाएं

गरीब परिवारों के लिए श्रद्धांजलि सहायता राशि 2000 से बढ़ाकर 3000 रुपए करने का प्रस्ताव रखा गया है। पत्रकारों, पाषर्दों और अन्य वर्गों के लिए सामुदायिक भवनों में रियायतें और सुविधाएं भी शामिल की गई हैं।

विपक्ष का हंगामा, अधिकारियों पर उठे कई सवाल

बजट सत्र के दौरान पेयजल, सफाई व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। सभापति कृष्ण चंद्राकर ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए 15 दिन में पेयजल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। नेता प्रतिपक्ष रामखेलावन सहित कई पाषर्दों ने जल संकट और सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाए, वहीं पार्षद मनीष वर्मा ने वाहन खरीदी में देरी को लेकर कार्रवाई की मांग की।

भिलाई-चरौदा निगम का यह बजट कागजों में संतुलित और विकासोन्मुखी नजर आता है, लेकिन जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन और पारदर्शिता ही इसकी असली परीक्षा होगी। हंगामे के बीच पारित इस बजट ने यह भी साफ कर दिया है कि शहर के विकास के साथ-साथ प्रशासनिक जवाबदेही भी अब बड़ा मुद्दा बन चुका है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महावीर जयंती की प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी के सत्य, अहिंसा, करुणा और अपरिग्रह के सिद्धांत आज भी मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों को अपनाकर समाज में शांति, सद्भाव और संतुलन स्थापित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान महावीर का जीवन हमें आत्मसंयम, त्याग और सह-अस्तित्व की भावना के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उनका संदेश केवल किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि समूची मानवता के लिए प्रासंगिक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे भगवान महावीर की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करें और समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए सदैव आगे आएं।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पत्रकार स्व. मधुकर खेर की पुण्यतिथि पर किया नमन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय मधुकर खेर की पुण्यतिथि (31 मार्च) पर उन्हें स्मरण करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में हिंदी और अंग्रेजी पत्रकारिता को समृद्ध करने में उनका योगदान अमूल्य है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्व. मधुकर खेर ने अपनी निष्पक्ष, तथ्यपरक और जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से समाज को जागरूक करने, जनसमस्याओं को सामने लाने और सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करने का कार्य किया। उनकी लेखनी न केवल सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रही, बल्कि जनचेतना को प्रखर बनाने का माध्यम भी बनी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्री खेर का समर्पण और उनकी पत्रकारिता की विरासत आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है। उनके विचार, सिद्धांत और मूल्य हमें निष्पक्ष, सशक्त और समाजोन्मुखी पत्रकारिता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

इमरजेंसी व नवजात नवीन एम्बुलेंस का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इमरजेंसी व नवजात नवीन एम्बुलेंस का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महावीर जयंती की प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं सीएम साय ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी के सत्य, अहिंसा, करुणा और अपरिग्रह के सिद्धांत आज भी मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक हैं।

लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह का सख्त संदेश : नक्सलवाद अब अंतिम चरण में

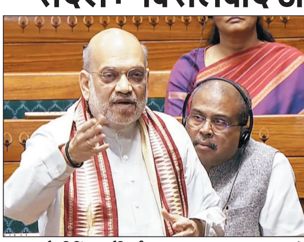

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नक्सलवाद पर सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि देश अब नक्सलवाद के खात्मे की कगार पर है और बस्तर सहित अधिकांश क्षेत्र इससे लगभग मुक्त हो चुके हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए राहलु गांधी के बयानों को लेकर तीखी टिप्पणी की और कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद को बढ़ावा मिला। शाह ने दो टूक कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे उसी भाषा में जवाब दिया जाएगा।

गृह मंत्री ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य हुए हैं, जिससे आदिवासी समुदाय का भरोसा सरकार पर मजबूत हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलवाद केवल गरीबी या विकास का मुद्दा नहीं, बल्कि एक खतरनाक विचारधारा है, जिसे समाप्त करना जरूरी है। संसद में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने सुरक्षा बलों के बलिदान को नमन करते हुए नक्सलमुक्त भारत के संकल्प को दोहराया और कहा कि अब देश इस लक्ष्य के बेहद करीब है।

पाटन में एक बेटी ने दी पिता को मुखाग्नि-दिया समाज को एक संदेश

आदिवासी समाज की प्रेरणादायक पहल – 10 वर्षीय बालिका ने पिता का अंतिम संस्कार कर दिया समानता का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / सेलूद

दुर्ग जिले के पाटन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मर्रा में एक प्रेरणादायक एवं समाज को नई दिशा देने वाली घटना सामने आई है। ग्राम मर्रा निवासी स्वर्गीय कमलनारायण ठाकुर के पुत्र मानसिंह ठाकुर के आकस्मिक निधन के पश्चात उनकी मात्र 10 वर्षीय पुत्री मुस्कान ठाकुर ने अद्भुत साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए अपने पिता का दाह संस्कार कर वर्षों पुरानी परंपराओं को नई सोच के साथ आगे बढ़ाया।

यद्यपि इस प्रकार के साहसिक कदम देश के विभिन्न हिस्सों और कई अन्य समाजों में भी समय-समय पर देखने को मिले हैं, किंतु ग्राम मर्रा की यह घटना स्थानीय स्तर पर विशेष महत्व रखती है। यह न केवल बदलती सामाजिक सोच का परिचायक है, बल्कि यह भी संदेश देती है कि बेटियां किसी भी जिम्मेदारी को निभाने में पीछे नहीं हैं।

मुस्कान ठाकुर का यह साहसिक कदम समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव की धारणाओं को कमजोर करता है और समानता, संवेदनशीलता एवं कर्तव्य के मूल्यों को सशक्त करता है। यह घटना बताती है कि आज का समाज परंपराओं के साथ-साथ प्रगतिशील सोच को भी अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इस प्रेरक घटना के बाद आदिवासी समाज सहित वरिष्ठजनों ने मुस्कान के साहस की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कदम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सकारात्मक उदाहरण बनेगा और समाज में बेटियों के प्रति सम्मान एवं विश्वास को और मजबूत करेगा। प्रबुद्धजनों ने यह भी कहा कि इस तरह की घटनाएं "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" जैसे अभियानों को वास्तविक रूप से साकार करने में सहायक हैं। यह घटना स्पष्ट करती है कि कर्तव्य, संस्कार और साहस का कोई लिंग नहीं होता, बल्कि यह मानवीय मूल्यों पर आधारित होता है।

उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय मानसिंह ठाकुर, जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के महामंत्री पालेश्वर ठाकुर के चचेरे भाई थे। मुस्कान ठाकुर के इस साहसिक कार्य को नमन करते हुए सभी ने स्वर्गीय मानसिंह ठाकुर की आत्मा की शांति के लिए प्राथर्ना की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

इस दौरान शोकाकुल परिवार के खुमेंद्र ठाकुर, तुकाराम ठाकुर, माधव ठाकुर, हृदय ठाकुर, ओमप्रकाश ठाकुर, भगवती ठाकुर, देवधर ठाकुर, चूरामणि ठाकुर, पालेश्वर ठाकुर, टिकेश्वर ठाकुर, निहाल ठाकुर, आशीष ठाकुर, यश ठाकुर, राहुल नेताम सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव की सरगर्मी तेज, प्रत्याशियों ने प्रचार-प्रसार में झोंकी ताकत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के दो वर्षीय कार्यकाल वाले प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव के लिए अब एक हफ्ते से भी कम का समय शेष रह गया है। फलस्वरुप चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। शुक्रवार को नामांकन वापसी के अंतिम दिन किसी भी प्रत्याशी द्वारा अपना नामांकन वापस नहीं लिया गया। जिससे चुनाव में अब प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट हो गई है।

कुल 17 पदों के लिए 64 प्रत्याशी चुनाव में अपना भाग्य आजमाएंगे। 4 अप्रैल को मतदान के लिए तिथि नियत है। लिहाजा सभी पदों के प्रत्याशी प्रचार-प्रसार में एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए है।

इस चुनाव में संघ के चार पूर्व अध्यक्ष नीता जैन, गिरीशचंद शर्मा, रमेश शर्मा, गुलाब सिंह पटेल एक बार फिर चुनाव मैदान में है। लगातार चार बार सचिव रहे रविशंकर सिंह एवं कोषाध्यक्ष पद पर अनिल जायसवाल चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं सह सचिव पद पर कृष्णराज चंदेल (छोटू) ने दावेदारी की। इसके अलावा विभिन्न पदों पर प्रत्याशियों द्वारा चुनावी मैदान में अपनी ताल ठोकी गई है। इस चुनाव में अध्यक्ष पद के मधुप शर्मा, रमेश कुमार शर्मा, श्रीमती संगीता सिंह, उमा भारती साहू, गिरीशचंद्र शर्मा, गुलाब सिंह पटेल, कु. नीता जैन, देवेन्द्र कुमार गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद दिनेश सिंह राजपुत, ब्रजेश कुमार शुक्ला, चन्द्रकांत चंदेल, नीरज सिंह राठौर, पंडित अजय मिश्रा, प्रशान्त कुमार जोशी, प्रमोद फिलीप, कनिष्ठ उपाध्यक्ष 1 पद (महिला हेतु आरक्षित) कु. रेखा राय, श्रीमती पूजा मोगरी, जया कुमारी, कु. गुंजा सोनी, कु. ललिता जोशी, सचिव पद हेमन्त कुमार मिश्रा, विजय कुमार चौधरी, रविशंकर सिंह, सह सचिव कृष्णराज चंदेल, राकेश यादव,

सुमीत रंजन दत्ता, राकेश यदु, सह सचिव 1 पद (महिला हेतु आरक्षित) पूनम ताम्रकार, कुमारी संध्या, श्रीमती शशी यादव, कोषाध्यक्ष 1 पद साकेत आर. मिश्रा, अमित कुमार अग्ने, प्रशांत अग्रवाल, अनिल जायसवाल, ग्रंथालय सचिव 1 पद ज्ञान प्रकाश तिवारी, अजय कुमार शर्मा, ढाल सिंह देवांगन, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव 1 पद गुरमीत सिंह भोगल, रविशंकर मानिकपुरी, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव 1 पद (महिला हेतु आरक्षित) मोनिका सिंह, कुमारी किरण गुप्ता, कु. दशोदा प्रत्याशी है। इसी प्रकार कार्यकारिणी सदस्य कुल 5 पद राजकिशोर गुप्ता, अपर्णा मुखर्जी, शिवकुमार उके, जीवन लाल कोटले, राजेश कुमार (नायक), निखिल सिंह महलवार, कु. शमीम बानो रिजवी, रंजीत कुमार मिश्रा, गौतम राम साहू, बबीता गिरि, अमर जी जैन, मुकेश कुमार पाण्डेय, रविश कुमार राजपूत, यीतेन्द्र सिंह राजपूत, केशव वर्मा, आदित्य कुमार चंद्रपक्षी, संजय कुमार विश्वकर्मा, आनन्द कुमार तिवारी, कार्यकारिणी सदस्य 2 पद (महिला हेतु आरक्षित) अनामिका गुहा राय, श्रीमती बाली ठाकरे, पुष्पा मैरिसा, श्रीमती गायत्री उपाध्याय इस चुनाव में अपना किस्मत आजमा रहे है।

खास खबर

तालाबों के संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम, लगातार चल रहा सफाई अभियान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर के तालाबों की साफ-सफाई के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए पॉन्ड क्लीनर मशीन के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलगांव गौठान के समीप स्थित तालाब की सफाई का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है।

जिससे क्षेत्र की स्वच्छता एवं सौंदर्य में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। पॉन्ड क्लीनर मशीन की सहायता से तालाबों में जमा गंदगी, कचरा एवं जलकुंभी को प्रभावी रूप से हटाया जा रहा है, जिससे जल स्रोतों का संरक्षण भी सुनिश्चित हो रहा है।

निगम द्वारा इस तालाब की सफाई पूर्ण होने के पश्चात शहर के अन्य तालाबों की सफाई भी इसी मशीन के माध्यम से किए जाने की काययीजना बनाई गई है।यह कार्य महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा के मार्गदर्शन तथा आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार निरंतर किया जा रहा है। कमर्शाला अधीक्षक शोएब अहमद के नेतृत्व में टीम अमला के साथ कचरा एवं जलकुंभी को प्रभावी रूप से हटाया जा रहा है। बता दे कि निगम प्रशासन द्वारा तालाबों के संरक्षण एवं स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए इस अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पॉन्ड क्लीनर मशीन के सफल उपयोग से निकाय के विभिन्न क्षेत्रों में पहले भी सफाई कार्य संपन्न किए जा चुके हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसी कारण यह पहल पूरे प्रदेश में सराही जा रही है और अन्य नगरीय निकायों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रही है। नगर निगम दुर्ग द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के नवाचारों के माध्यम से शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरणीय दृष्टि से सुदृढ़ बनाने के लिए सतत प्रयास किए जाते रहेंगे।

साइंस कॉलेज के अधूरे ऑडिटोरियम कशुरू, शासन से 8 करोड़ 96 लाख की मिली प्रशासकीय स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

साइंस कॉलेज कैम्पस में रुके हुए ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य पुनः शुरू हो गया है। शहर विधायक एवं केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल से कॉलेज को साउंड प्रूफ एवं आधुनिक ऑडिटोरियम की सौगात मिल जाएगी जिससे जिले भर से पढ़ने वाले विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। अधूरे कार्य को पूरा करने मंत्री गजेन्द्र यादव की मांग को प्रदेश के वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने स्वीकारते हुए शासन से पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति 8 करोड़ 96 लाख की राशि स्वीकृत कराये है। पूर्व की सरकार द्वारा ऑडीटोरियम को फंड की कमी बताते हुए रोक दिये थे। अब पुनः निर्माण शुरू हो चुका है, जो जल्द ही आगामी कुछ माह में पूर्ण हो जाएगा।

पुनः निर्माण प्रारंभ होने पर आज मंत्री गजेन्द्र यादव ने साइंस कॉलेज स्थित ऑडिटोरियम का पीडब्लूडी के इंजीनियर और कॉलेज प्रबंधक के साथ निरिक्षण किये और आगामी जून तक कार्य पूर्ण करने दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा की प्रदेश में सुशासन की सरकार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर ठोस एवं सार्थक कदम उठा रही है। यह ऑडिटोरियम न केवल शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा, बल्कि विद्यार्थियों को अपने कौशल एवं प्रतिभा को मंच प्रदान करने का अवसर भी देगा।

गौरतलब है की शा. विश्वनाथ यादव तमास्कर स्नातकोत्तर कॉलेज कैंपस में दुर्ग शहर के अलावा जिलेभर से विद्यार्थी विभिन्न संकाय में पढ़ने आते है। कॉलेज प्रबंधन की मांग पर तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह सरकार ने ऑडिटोरियम निर्माण हेतु राशि बजट में स्वीकृति दिए थे और निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया था लेकिन 2018 में प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होते ही कांग्रेस सरकार द्वारा राशि को रोक दिए जाने से ऑडिटोरियम निर्माण बीते पांच साल से रुका हुआ था। प्रदेश में पुनः भाजपा की सरकार आने पर कॉलेज प्रबंधन ने केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव से मिलकर जानकारी दिए जिस पर उन्होंने तत्काल इस संबंध में पीडब्लूडी के अधिकारियो का रिपोर्ट लेकर मांग पत्र तैयार कराये और प्रदेश के वित्तमंत्री ओपी चौधरी को मांग पत्र सौंपकर जिले के विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए ऑडिटोरियम निर्माण पुनः शुरू कराने राशि स्वीकृति दिलाने की मांग किये। वित मंत्री ओपी चौधरी ने श्री यादव के मांग पर ऑडिटोरियम के अधूरे निर्माण को पूरा करने पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति 8 करोड़ 96 लाख की राशि स्वीकृत कराये है। जिसके बाद अब पुनः निर्माण प्रारंभ हो गया है।

शा. विश्वनाथ यादव तमास्कर स्नातकोत्तर कॉलेज कैंपस में बनने वाले 750 सीटर ऑडिटोरियम पुरी तरह से साउंड प्रूफ होगा। 6722 स्क्वेयर मीटर क्षेत्रफल में निर्माण होगा जिसमें 225 स्क्वेयर मीटर स्टेज, 860 स्क्वेयर मीटर का हॉल, बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु चेंजिंग रूम, वेटिंग एरिया, डबल हाईट में लॉबी, अति विशिष्ट अतिथियों के आगमन हेतु वीआईपी एरिया, विद्यार्थियों के ट्रेनिंग हेतु मीटिंग हॉल, एलईडी प्रोजेक्टर, वायरलेस साउंड सिस्टम, पार्किंग एरिया व प्रवेश द्वार होगा।

जल्द पूरा होगा निर्माण- मंत्री गजेन्द्र यादव

पूर्व की सरकार द्वारा फंड नहीं देने से साइंस कॉलेज के ऑडिटोरियम निर्माण अधूरा था जिसे पूरा करने हेतु हमारी मांग पर वित्तमंत्री से पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है अब जल्द ही ऑडिटोरियम का अधूरा काम पूरा होगा। इसके लिए मान. मुख्यमंत्री, एवं वित्तमंत्री जी का आभार करता हूँ।

केन्द्रीय जेल दुर्ग का निरीक्षण, बंदियों की सुविधाओं और मामलों की स्थिति पर दिया गया जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) द्वारा मुख्यालय स्थित केन्द्रीय जेल दुर्ग का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने जेल की व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लेते हुए बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने विशेष रूप से महिला प्रकोष्ठ का दौरा किया, जहां निरुद्ध महिला बंदियों से उनके प्रकरणों की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, भोजन की गुणवत्ता तथा साफ-सफाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने जेल अस्पताल पहुंचकर बीमार बंदियों से व्यक्तिगत चर्चा की और उनकी चिकित्सा संबंधी जरूरतों को समझा।

न्यायाधीश ने जेल अधिकारियों को निर्देशित किया कि सजायाफ्ता बंदियों के अपील संबंधी मामलों को अद्यतन रखा जाए और सभी बंदियों को उनके प्रकरणों की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया जाए। साथ ही उन्होंने बंदियों से बातचीत कर उनकी दैनिक दिनचर्या और समस्याओं को भी समझा। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी भी बंदियों को दी गई। जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नहीं हैं, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जानकारी दी गई।

न्यायाधीश ने कैदियों के डेटा—जैसे ट्रायल स्थिति, जमानत और सजा अवधि—को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सत्यापित करने के निर्देश भी दिए,

ताकि लंबित मामलों वाले बंदियों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव, जेल अधीक्षक, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी, एलएडीसीएस के काउंसिल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

71 नव नियुक्त आरक्षकों को पुलिसिंग और अनुशासन संबंधी दिया प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला दुर्ग अंतर्गत नव नियुक्त पुरुष-महिला आरक्षकों के लिए पुलिसिंग संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पुरानी पुलिस लाईन, दुर्ग स्थित प्रशासनिक भवन के दधीचि प्रशिक्षण हाल में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान आरक्षकों को पुलिस सेवा के दायित्व, अनुशासन, जनसंपर्क, कार्यकुशलता एवं आधुनिक पुलिसिंग के विभिन्न पहलुओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही यह बताया गया कि वर्दी धारण करने के पश्चात जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं तथा प्रत्येक आरक्षक को अपनी-अलग पहचान स्थापित करने हेतु कर्तव्यनिष्ठ एवं अनुशासित रहना आवश्यक है।

आरक्षकों को शारीरिक फिटनेस बनाए रखने, सेवा अवधि के दौरान स्वास्थ्य का ध्यान रखने, नई तकनीकों का ज्ञान अर्जित करने एवं आर्थिक अनुशासन (बचत) अपनाने के संबंध में भी निर्देशित किया गया। दुर्ग पुलिस नव नियुक्त आरक्षकों से अपेक्षा करती है कि वे अनुशासन, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा आम जनता के प्रति संवेदनशील एवं जवाबदेह पुलिसिंग सुनिश्चित करें।

अहिवारा में मन की बात की : प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की मौजूदगी में कीर्ति नायक की रही सक्रिय भागीदारी

नई दृष्टिबिंदु / अहिवारा

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 132वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण अहिवारा में बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक भी सक्रिय रूप से कार्यक्रम में शामिल रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों को सुना और आत्मसात किया।

मन की बात के इस एपिसोड में प्रधानमंत्री ने जनभागीदारी को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने, युवा शक्ति और नवाचार को बढ़ावा देने तथा महिला सशक्तिकरण को देश की प्रगति का आधार बताया। साथ ही वोकल फॉर लोकल के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर कीर्ति नायक ने कहा कि मन की बात समाज के हर वर्ग को जोड़ने वाला प्रेरणास्रोत है और प्रधानमंत्री के विचार हमें सेवा भाव एवं राष्ट्रहित में कार्य करने की निरंतर प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने भारत को स्वच्छ, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने तथा प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

हजारों महिलाओं ने बचपन का टिकट में फिर से जिया अपने बचपन का एक पल

जब महिलाओं ने छोड़ी जिम्मेदारियां और थामा खेल का मैदान और दिखाया खेल में अपना दमखम - सरोज पाण्डेय

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पाण्डेय के नेतृत्व में सखी सहेली महिला समिति द्वारा आयोजित बचपन का टिकट चलव दीदी खेल खेले बर जाबो का कार्यक्रम दुर्ग के पदमनाभपुर मिनी स्टेडियम में खेल खेलने और अपने बचपन के दिनों को वापस याद करने हजारों महिलाओं की उपस्थिति में मस्ती, आनंद और हर्षोल्लास के साथ उत्सव के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मशाल प्रज्वलित कर उपस्थित प्रतिभागियों के द्वारा मैदान में मशाल लेकर भ्रमण किया गया। इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कार्यक्रम के नेतृत्व कर्ता सरोज पाण्डेय मुख्य रूप से उपस्थित रही।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के खेल कबड्डी, खो-खो, रस्सी खींच, फुग्गडी, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, जलेबी दौड़, बोरा दौड़, बिल्लस, गोटा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संपादन की दृष्टिकोण से खेलों के रेफरी और उसके निर्णायकों की भी व्यवस्था की गई थी ताकि खिलाड़ियों के हार जीत का फैसला किया जा सके। पूरी तरह से पारिवारिक माहौल और खुशनुमा माहौल के बीच महिलाओं ने अपना जीवन को जिया सभी महिलाएं खिलाड़ी के रूप में वर्ग अनुसार प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेते रहे सामूहिक खेल कबड्डी, रस्सा खींच, टीम का गठन कर उन्होंने हिस्सा लिया। उपस्थित खिलाड़ियों के लिए निशुल्क चाट, गुपचुप, भेल, चना जोरगरम, बुड्ढी के बाल ,बर्फ गोला, कुल्फी की व्यवस्था की गई थी ताकि वह खेलों के साथ-साथ पारंपरिक व्यंजनों का भी लुफ्त उठा सकें।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे एवं पार्षद दुर्ग नगर निगम महापौर अलका बाघमार एवं पार्षद के बीच कबड्डी प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें पारिवारिक और बचपन की यादों को याद करते हुए खेल का आनंद लिया जिसमें दोनों टीमों को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया।

इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय ने कहा कि वे महिलाएं जो जीवन की आपाधापी के बीच अपने वास्तविक जीवन को भूल चुकी होती हैं अपनी वास्तविक मुस्कुराहट को दबा कर रखे रहती हैं उन्हें कुछ पल जीने के लिए उनके पुराने एवं पारंपरिक खेल खेलने के लिए मैदान प्रदान किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य जीवन में आयोजन स्थल पर पहुंचते ही बचपन के दिनों की तरह महिलाएं के चेहरे पर निश्छल, निर्मल, चिंता मुक्त दुनिया सामने आ गई।

महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने, मानसिक तनाव से दूर रहने और आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ाने का संदेश दिया गया। खेल गतिविधियों ने महिलाओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री सरोज पाण्डेय ने कहा कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जुड़ाव इस आयोजन ने विभिन्न वर्गों और आयु वर्ग की महिलाओं को एक मंच पर लाकर सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत किया। पारंपरिक खेलों के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों को आगे और व्यापक स्तर पर आयोजित करने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इससे जुड़ सकें और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। कार्यक्रम में महिलाओं के चेहरों पर बचपन की मासूम मुस्कान और उत्साह ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि जीवन की व्यस्तता के बीच भी खुशी के छोटे-छोटे पल ही जीवन को सुंदर और संतुलित बनाते हैं।

इस अवसर पर मुख्य रूप से कार्यक्रम की नेतृत्व कर्ता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय, समाज कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष शालिनी राजपूत, भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, मंत्री संध्या परघनिया, महापौर दुर्ग अलका बाघमार, रायपुर मीनल चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उषा टावरी, चंद्रिका चंद्राकर, माया बेलचंदन, जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री शीतल नायक ,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष दुर्ग तृप्ति चंद्राकर, भिलाई स्वीटी कौशिक रायपुर कृतिका जैन, जिला उपाध्यक्ष सरिता मिश्रा, डां मानसी गुलाटी, विभिन्न समाजों के महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे।

अटल परिसर से विकास का नया अध्याय : मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का किया लोकार्पण और शिलान्यास

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अरपा रिवर व्यू के समीप नवनिर्मित अटल परिसर में भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने शहर के समग्र विकास को नई दिशा देते हुए 26 करोड़ 93 लाख रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के स्वप्न द्रष्टा, प्रखर वक्ता, संवेदनशील कवि और छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता थे। उन्होंने कहा कि अटल जी के नेतृत्व में 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ का गठन हुआ, जिसने प्रदेश को विकास की नई दिशा और पहचान प्रदान की। उन्होंने कहा कि अटल जी की प्रतिमा उनके ऐतिहासिक व्यक्तित्व, विचारों और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सहेजने की एक सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि यह परिसर आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा और समाज में राष्ट्र निर्माण की भावना को और मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर के निर्माण का निर्णय लिया गया है, ताकि अटल जी के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर को प्रदेश के 115 नगरीय निकायों में अटल परिसरों का लोकार्पण किया जा चुका है और यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और आज किए गए 26 करोड़ रुपये से

अधिक के विकास कार्य शहर की अधोसंरचना को सुदृढ़ करेंगे तथा नागरिक सुविधाओं को नई गति देंगे। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से शहर को आधुनिक और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में उत्पन्न संकट के बावजूद भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि देश की सुदृढ़ विदेश नीति और प्रभावी समन्वय के कारण आपूर्ति व्यवस्था सुचारु है तथा आम नागरिकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों से दूर रहें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। श्री साय द्वारा इस अवसर पर लगभग 12.43 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया। इनमें अटल परिसर निर्माण, मराठी कन्या शाला भवन में प्रथम तल निर्माण, इमलीपारा में व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स तथा रक्षित आरक्षी केंद्र का निर्माण प्रमुख रूप से शामिल हैं, जो शहरी विकास और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होंगे।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने लगभग 14.50 करोड़ रुपये की लागत के नए विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इनमें अरपा क्षेत्र में सड़क, नाला एवं पिचिंग कार्य, जरहाभाठा क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण तथा उसलापुर में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा एवं चबूतरा निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं, जो शहर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सांस्कृतिक पहचान को भी सशक्त करेंगे।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि अटल परिसर का निर्माण प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और यह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अटल जी के योगदान को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता और उनके आदर्श आज भी देश को दिशा दे रहे हैं। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धमर्जीत सिंह, सुशांत शुक्ला सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

अधिकारियों-कर्मचारियों को संग्रहालयों के रख-रखाव के लिए दिया गया प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, (टीआरटीआई) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवा रायपुर, अटल नगर, सेक्टर-24 परिसर में स्थापित शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जनजातीय संग्रहालय के रख-रखाव हेतु आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान की संचालक श्रीमती हिना अमिनेष नेताम सहित संस्थान के अधिकारी-कमर्चारी शामिल हुए। प्रशिक्षण होमगार्ड, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विस एसडीआरएफ के सौजन्य से आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में एसडीआरएफ की दक्ष टीम द्वारा आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया विषय पर सारगर्भित तकनीकी और अनुभविक जानकारी पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में दीपक कौशिक एवं राकेश भोयर, सहायक उपनिरीक्षक के द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण पश्चात आपदा प्रबंधन के व्यवहारिक एवं प्रायोगिक पक्ष का प्रदर्शन संस्थान के खुले परिसर में किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार की आग आदि जैसी आपदा से तत्कालिक बचाव प्रतिक्रिया से समस्त अमलों और संग्रहालय भ्रमण हेतु आये आगंतुको एवं विद्याथियों द्वारा भी हैण्ड्स ऑन प्रेक्टिस की गई। संस्थान की संचालक हिना अनिमेष नेताम द्वारा बताया गया कि, यह प्रशिक्षण सभी के लिये लाभदायक रहा है जो कार्यस्थल और पारिवारिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण रहा है। साथ ही आने वाले समय में ऐसे और भी प्रशिक्षण विशेषकर आपातकालीन स्वास्थ विषयों पर भी किये जाने है।

वन्यप्राणियों की सुरक्षा के लिए सख्ती वन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक

रायपुर। वन क्षेत्रों और वन्यजीव अभयारण्यों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए वन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। हाल ही में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में आवारा कुत्तों द्वारा हिरणों को मार डालने की घटना के बाद यह कदम उठाया गया है। छत्तीसगढ़ में वन्यप्राणियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने वन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर सख्ती बढ़ा दी है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

उल्लेखनीय है कि यह निर्णय सरगुजा वनमंडल के अंबिकापुर स्थित संजय वाटिका में 20-21 मार्च की रात हुई घटना के बाद लिया गया है, जिसमें आवारा कुत्तों ने बाड़े में घुसकर 15 शाकाहारी वन्यप्राणियों को मार दिया था। इस घटना की जांच के लिए पहले ही उच्च स्तरीय समिति गठित की जा चुकी है। राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया का सख्ती से पालन किया जाएगा। इसके लिए अगले दो सप्ताह में वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। वन क्षेत्रों के पास स्थित गांवों में पालतू कुत्तों को विशेष रंग के पट्टे (कॉलर) पहनाए जाएंगे, ताकि उनकी पहचान हो सके। यदि कोई पालतू कुत्ता वन क्षेत्र में पाया जाता है, तो उसके मालिक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनके प्रबंधन के लिए एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के दिशा- निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस दौरान पशु कल्याण के सभी मानकों का ध्यान रखा जाएगा। वन क्षेत्रों के आसपास के गांवों में पोस्टर, बैनर और ग्राम सभाओं के माध्यम से जन जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

माँ कर्मा के आदर्श हमें एकजुट, संगठित और सशक्त बनने की प्रेरणा देते हैं - मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सूरजपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव 2026 में शामिल हुए और भक्त माता कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री श्री साय ने सूरजपुर रिंग रोड स्थित भक्त माता कर्मा चौक पहुँचकर विधिवत पूजा-अचर्ना की और माँ कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि माँ कर्मा का जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है, जो समाज को एकजुटता और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देता है। उन्होंने अपने संबोधन में साहू समाज को एक गौरवशाली, संस्कारित और विकासोन्मुख समाज बताते हुए कहा कि भक्त माता कर्मा, माता राजिम दाई और दानवीर भामाशाह जैसी महान विभूतियाँ इसी समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में साहू समाज की हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आगे भी यह समाज प्रदेश को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में सहभागी बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सलवाद के मुद्दे पर अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र, जो लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा, अब विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ 400 से अधिक गांवों को मुख्यधारा में लाया गया है और आने वाले समय में बस्तर विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा। श्री साय ने वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और ऊर्जा संकट के बावजूद भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेहतर स्थिति में है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचें और प्रशासन पर भरोसा बनाए रखें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को छत्तीसगढ़ में प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि होली से पहले 25 लाख से अधिक किसानों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अंतर राशि का भुगतान किया गया है, वहीं महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लगभग 70 लाख महिलाओं को 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूरों को भी 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है, जिससे उनकी आजीविका को मजबूती मिली है। इसके साथ ही श्री रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को तीर्थ दर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने साहू समाज के लिए सामाजिक भवन निर्माण हेतु 50 लाख रुपये तथा बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग समाज के संगठनात्मक सशक्तिकरण और भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है और समाज ने अपने परिश्रम एवं समर्पण से देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने समाज के विकास के लिए शिक्षा, संगठन और सामाजिक अनुशासन को आवश्यक बताते हुए कहा कि इन्हीं मूल्यों के आधार पर एक सशक्त और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने डिजिटल डोर सुविधा का किया शुभारंभ

घर बैठे क्यूआर कोड से भरें टैक्स

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के जशपुर नगर पालिका क्षेत्र में अब टैक्स भुगतान के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को एचडीएफसी बैंक की डिजिटल डोर सुविधा का शुभारंभ किया, जिसके तहत नागरिक घर बैठे क्यूआर कोड स्कैन कर जल कर, संपत्ति कर और दुकान कर का भुगतान कर सकेंगे।

इस नई व्यवस्था के तहत एचडीएफसी बैंक ने नगर पालिका जशपुर के लिए विशेष क्यूआर कोड तैयार किया है। प्रत्येक घर के लिए अलग-अलग क्यूआर कोड जनरेट किया गया है, जिसे घर-घर चस्पा किया जा रहा है। इस क्यूआर कोड में मकान मालिक का नाम, मकान नंबर, मोबाइल नंबर और बकाया कर की पूरी जानकारी उपलब्ध रहेगी। नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर डी.डी.एन नंबर, मोबाइल नंबर या प्रॉपर्टी आईडी के माध्यम से अपनी देय राशि देख सकेंगे और यूटीआई, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग के जरिए सुरक्षित भुगतान कर पाएंगे। भुगतान के बाद उन्हें तुरंत डिजिटल रसीद भी प्राप्त होगी।

नगर पालिका जशपुर में लागू प्रॉपर्टी टैक्स इंफॉर्मेशन सिस्टम एक आधुनिक आईसीटी आधारित व्यवस्था है, जो राजस्व संग्रहण को पारदर्शी, सरल और कुशल बनाती है। इस प्रणाली के तहत वतर्मान में लगभग 4600 हाउसहोल्ड को शामिल किया गया है, जिसमें आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्तियां शामिल हैं। इस पहल से जहां नागरिकों को समय और श्रम की बचत होगी, वहीं नगर पालिका के कार्यों में पारदशिर्ता और दक्षता भी बढ़ेगी। डिजिटल भुगतान प्रणाली से राजस्व संग्रहण में तेजी आएगी और नगरीय प्रशासन और अधिक सशक्त होगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, कृष्णा राय, कलेक्टर रोहित व्यास, नगर पालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय, एचडीएफसी बैंक के रीजनल मैनेजर सराफत अली और शाखा प्रबंधक दीपक दास सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

समाज की प्रगति ही राष्ट्र की उन्नति का आधार - मंत्री वर्मा, साहू समाज भवन का हुआ लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि समाज की प्रगति ही राष्ट्र की उन्नति का आधार है। उन्होंने साहू समाज के गौरवशाली इतिहास और सेवा भाव की प्रशंसा की। माँ कर्मा देवी के आशीर्वाद से निनंवा में निर्मित यह भवन केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और संस्कारों का केंद्र बनेगा। हमारी सरकार समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने और बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भवन आने वाली पीढ़ियों के शैक्षिक और सामाजिक उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा।

मंत्री श्री वर्मा के मुख्य आतिथ्य में ह्नमाँ कर्मा साहू समाज भवन का लोकार्पण समारोह आज संपन्न हुआ।

भक्तिमय और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों लोग साक्षी बने। श्री वर्मा ने कहा कि रायपुर जिले के ग्राम निनंवा में आज सामाजिक एकजुटता और विकास का एक नया अध्याय लिखा गया। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों की यह एकजुटता सम्मान और गौरव का संगम है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता साहू संघ के मनीराम साहू ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में देवनाथ साहू, राजू शर्मा और अनिल अग्रवाल सहित क्षेत्र के दिग्गज जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान व्यक्तियों और वरिष्ठ जनों का सम्मान भी किया गया। माँ कर्मा साहू समाज भवन का लोकार्पण समारोह के अवसर पर जनप्रतिनिधि, समाज प्रमुख, पदाधिकारी, और स्वजातिय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

युवा शक्ति को आगे बढ़ाना ही विकसित छग की असली दिशा है : मुख्यमंत्री

युवा प्रतिभाओं को मिला सशक्त मंच : मुख्यमंत्री ने की टी-20 क्रिकेट स्पर्धा का भव्य समापन

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बिलासपुर स्थित राजा रघुराज सिंह स्टेडियम में स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी की स्मृति में आयोजित टी-20 ड्यूस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय लेकर उनका हौसला बढ़ाया और जिले के खेल प्रेमियों को बधाई दी। प्रतियोगिता में देश के 8 राज्यों की टीमों ने भाग लिया, जिसमें कई खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी तथा आईपीएल जैसे बड़े मंचों पर अपना हुनर दिखा चुके हैं। समापन मैच में छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ और खड़गपुर के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी से उनका विशेष आत्मीय संबंध रहा है। उन्होंने जीवन भर अद्भुत धैर्य और संघर्ष का परिचय दिया। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और समाज सेवा के कार्यों में अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि वे राज्यसभा सांसद के रूप में भी लंबे समय तक सक्रिय रहे। आज

उनकी स्मृति में आयोजित इस टी-20 प्रतियोगिता में देश के 8 राज्यों से खिलाड़ी भाग ले रहे हैं और 9 दिनों तक चले इस आयोजन ने बिलासपुर के खेल प्रेमियों को एक नया उत्साह दिया है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के लोग क्रिकेट के प्रति विशेष लगाव रखते हैं और बड़ी संख्या में मैदान में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने देश के दूसरे और दुनिया के चौथे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कराया और इसका नाम शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर रखा। राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ओलम्पिक खेलों में भी हमारे बेटे और बेटियां भाग लें, इसके लिए हमारी सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपये, रजत पदक पर 2 करोड़ रुपये और कांस्य पदक पर 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही प्रदेश में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि बिलासपुर की पावन धरा पर अटल परिसर का लोकार्पण करते हुए आज हम स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी को भावपूर्ण स्मरण कर रहे हैं। स्व. लखीराम अग्रवाल के योगदान को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। हम सभी उनके

खेल अधोसंरचना और प्रशिक्षण को बढ़ावा

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में खेलों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत प्रदेश में खेल अधोसंरचना और प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। अभी हमारा प्रदेश खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी भी कर रहा है। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों में लाखों खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो प्रदेश की खेल प्रतिभा को नई दिशा दे रहे हैं।

योगदान को गहरे सम्मान के साथ याद करते हैं। आज उनकी स्मृति में आयोजित यह क्रिकेट प्रतियोगिता हमें उनके संघर्षमय जीवन की याद दिलाती है। क्रिकेट की तरह ही उन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में अंतिम क्षण तक संघर्ष किया और कभी हार नहीं मानी। वे हम सभी के लिए प्रेरणा पुंज हैं और उनके विचार सदैव हमारे बीच जीवित रहेंगे।

बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद तोखन साहू सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों का भी आभार जताया। कार्यक्रम में विधायक धरमलाल कौशिक, धमर्जीत सिंह, सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष रजनीश सिंह, पूर्व सांसद लखन लाल साहू, कमिश्नर सुनील जैन, आईजी राम गोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, क्रिकेट खिलाड़ी राजेश चौहान उपस्थित थे।

बेटियों ने क्रिकेट में रचा इतिहास

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सीमित संसाधनों के बीच बड़े सपने देखने वाली जशपुर जिले के इचकेला की बेटियों ने क्रिकेट के मैदान में ऐसा प्रदर्शन किया कि आज वे जिले ही नहीं, पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा बन गई हैं। उनकी इसी उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को जशपुर नगर के मल्टीपरपज इंडोर बास्केटबॉल स्टेडियम में उनसे मुलाकात कर उन्हें क्रिकेट किट प्रदान की और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

ग्राम इचकेला के शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास की 16 बालिका खिलाड़ियों ने क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है और वे आगे भी इसी तरह राज्य और देश का नाम रोशन करती रहें। इचकेला एमसीसी एक क्रिकेट अकादमी के रूप में उभरकर सामने आई है, जहां से वतर्मान में 40 बालिकाएं नियमित रूप से क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रही हैं। इनमें से 17 खिलाड़ी अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और बोर्ड मैचों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं।

वर्ष 2025 में सरगुजा संभाग ने 25 वर्षों बाद राज्य स्तरीय अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस ऐतिहासिक जीत में इचकेला एमसीसी की भूमिका निर्णायक रही। विजेता टीम के 11 खिलाड़ियों में से 9 खिलाड़ी इसी अकादमी की थीं।

संपादकीय

जनजातीय खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मिला मौका

छत्तीसगढ़ में देश के पहले खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स का शुभारंभ हुआ यह राज्य के लिए गौरव की बात है। इस आयोजन में 30 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 2500 खिलाड़ी 9 खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। माना जाता है कि जनजातीय खिलाड़ियों को उनकी खेल प्रतिभा को दिखाने का ज्यादा मौका नहीं मिलता है, इस आयोजन से उनको अब साल में एक बार अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। इससे उनकी अब राज्यस्तर पर पहचान बनेगी और उनको राज्य से आगे के खेल मंचों पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका भी मिलेगा। साय सरकार के आने के बाद जनजातीय समाज को उठाने का जो प्रयास किया गया है, उस कड़ी में खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स एक अहम पड़ाव है। साय सरकार ने कहा है कि यह आयोजन अब हर साल होगा इससे जनजातीय खिलाड़ियों को हर साल अपनी खेल प्रतिभा को दिखाने व निखारने का मौका भी मिलेगा।

इस आयोजन की शुरुआत पर सीएम साय ने कहा है कि खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स एक आयोजन नहीं है यह एक आंदोलन की शुरुआत है ।यह एक ऐसा आंदोलन है जो संदेश देता है कि प्रतिभा की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। उत्कृष्टता की कोई हद नहीं होती। जनजातीय भारत का दिल भी उतनी ही मजबूती से धड़कता है जितना देश के अन्य हिस्सों में धड़कता है। रायपुर के मैदानों से लेकर बस्तर के हरे भरे क्षेत्रों व अंबिकापुर के ऊंचे इलाकों तक जनजातीय समुदायों में स्वाभाविक व अद्भुत खेल प्रतिभा मौजूद है ।जो परंपराओं व संघर्षों से निखरी है। उनको अपनी प्रतिभा दिखाने का जितना मौका मिलेगा वह और निखरेगी और प्रदेश व देश का गौरव हर मंच पर बढ़ाएगी। छत्तीसगढ़ की करीब 200 सदस्यीय टीम इसमें हिस्सा ले रही है ।इसमें 165 खिलाड़ी हैं, जिसमें 87 पुरुष व 78 महिला खिलाडी हैं ।छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी फुटबाल, हाकी, एथलेटिक्स, तैराकी, तीरंदाजी, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती में भाग ले रहे हैं ।इन खेलों में तैराकी में 24, कुश्ती में 18, वेटलिफ्टिंग में 16, तीरंदाजी में 10, एथलेटिक्स में 34, हाकी में 2 व फुटबाल में 2 स्वर्णपदक दांव पर है। सभी राज्यों के खिलाड़ी स्वर्ण के साथ रजत व कांस्य पदक जीतने का प्रयास कर रहे हैं।

राज्य में हो रहे खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स में छत्तीसगढ़ की दो आदिवासियों बेटियों ने साबित किया है कि इरादा कुछ कर गुजरने का हो तो सफलता जरूर मिलती है। शनिवार को निकिता ने 77 किलो वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। वहीं रविवार को रिशिका ने 86 किला वर्ग में रजत पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया है। वहीं लक्की बाबू मरकाम ने कांस्यपदक जीता है। इस तरह 29 मार्च तक छत्तीसगढ़ ने एक गोल्ड, 5 सिल्वर व 4 कांस्य पदक जीते हैं। यह दूसरे राज्यों की तुलना में बहुत कम लगता है लेकिन यह तो शुरुआत है। किसी को भी शुरूआत में बड़ी सफलता नहीं मिलती है। इस आधार पर यह कहा जा सकता है। राज्य के जनजातीय खिलाड़ियों को अब हर साल मौका मिलेगा तो वह भी एक दिन राज्य के लिए ज्यादा स्वर्ण, ज्यादा रजत व ज्यादा कांस्य पदक जीतेंगे।

पदक सूची में पहले नंबर पर स्वर्ण,रजत व कांस्य पदक सबसे ज्यादा कर्नाकट ने 25 पदक जीते हैं, इसमें सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक है। इससे पता चलता है कि यहां की सरकार ने अपने खिलाड़ियों को खूब तैयारी करा कर भेजा है। खिलाड़ियों को हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराई है। उसके बाद ओड़िशा व असम के खिलाड़ियों ने कुल 20 से ज्यादा पदक जीतकर अपने राज्य का गौरव बढ़ाया है ।इससे साफ हो जाता है कि जिस राज्य ने अपने खिलाड़ियों को संवारने,निखारने का ज्यादा प्रयास किया है, उसके खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन कर साबित किया है कि प्रतिभा होना काफी नहीं होता है, उसे संवारने व निखारने का प्रयास भी करना पड़ता है। उसके लिए हर तरह के सुविधा साधन की जरूरत होती है। खेल मैदानों की जरूरत होती है, प्रशिक्षकों की जरूरत होती है ।तैराकी में कर्नाटक के खिलाड़ी मणिकांता एल ने 8 गोल्ड व एक सिल्वर मेडल जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। इससे साफ हो जाता है कि प्रतिभावान खिलाड़ी को ठीक से संवारा व निखारा जाए तो वह एक नहीं कई गोल्ड पदक राज्य के लिए जीत सकता है।

छत्तीसगढ़ में खेल और खिलाड़ियों के लिए जिस तरह के सुविधा से साधनों की जरूरत है,उसकी कमी का एहसास होता है ।इससे राज्य की खेल प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का पूरा मौका नहीं मिल पाता है। राज्य में खेल प्रतिभा तो है लेकिन उनको संवारने व निखारने के लिए जितने सुविधा साधन है उससे और ज्यादा सुविधा साधन की जरूरत है ।खेल के लिए 300 करोड़ का बजट सुनने में ज्यादा लगता है लेकिन हकीकत यह है कि राज्य के कुल बजट का यह 0.02 प्रतिशत ही है। खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देना है तो इस बजट को और बढ़ाना होगा और खेल तथा आयोजन के पहले अच्छी तैयारी करनी होगी। यानी हमें खेल का आयोजन ही नहीं करना है, आयोजन कर रहे हैं तो हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी सबसे अच्छा होना चाहिए। पदक सूची में छत्तीसगढ़ को पहले पांच स्थान पर होना चाहिए। यह राज्य सरकार व खिलाड़ियों का लक्ष्य होना चाहिए ।छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी जब ज्यादा गोल्ड मेडल जीतेंगे तब यह माना जाएगा कि सरकार ने खेल व खिलाड़ियों के शानदार काम किया है।

दूषित पानी शुद्ध करने की संवेदनशील हो पहल

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। लेकिन यह जल यदि दूषित हो तो क्या इसे जीवन कहा जा सकता है? यूं तो देश के गांवों में महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन जोर-शोर से चलाया जाता रहा है। लेकिन यह बात परेशान करती है कि पेयजल का बड़ा हिस्सा प्रदूषित पाया गया है। लोग सेहत के लिये हानिकारक जल पीने को मजबूर हैं। फलत: इससे उत्पन्न बीमारियों की चुनौतियों का सामना करने को बाध्य होते हैं।

यह हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही कही जाएगी कि देश के करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ जल की उपलब्धता से वंचित हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में लिए गए दूषित पेयजल नमूनों के करीब दो तिहाई हिस्से को शुद्ध करने के प्रयास नहीं हुए हैं। जो इस बात को दर्शाता है कि आज भी देश के करोड़ों लोग स्वच्छ पेयजल हासिल नहीं कर पा रहे हैं। यह स्थिति हमारे विकास के मॉडल व तरक्की के दावों की तार्किकता पर प्रश्न चिन्ह लगाती है। यही वजह है कि दूषित जल से होने वाले रोगों का दायरा बढ़ रहा है। यह अच्छी बात है कि जोर-शोर से घर-घर नल से जल पहुंचाने की सार्थक पहल की गई।

निस्संदेह, हर व्यक्ति का अधिकार है कि उसे अपने घर में स्वच्छ पेयजल मिले। इसी मकसद से साल 2019 में जल जीवन मिशन को सिरे चढ़ाया गया था। लेकिन इस योजना के सुरक्षित तरीके से संचालन और स्वच्छ जल आपूर्ति को लेकर सवाल खड़े होते रहे हैं। यह हकीकत है कि जब लोगों को स्वच्छ जल नहीं मिलता तो कई तरह के रोगों के पैदा होने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। कहा भी जाता है कि हमारे अधिकांश रोग पेट से ही शुरू होते हैं। खासकर बच्चों व बुजुर्गों के लिये यह एक बेहद संवेदनशील मामला है। जिससे बचने के लिये स्वच्छ जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना बेहद जरूरी हो जाता है।

देश में बार-बार स्वच्छ शहर का खिताब हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पिछले दिनों प्रदूषित पेयजल से होने वाली मौतों ने देश में खतरे की घंटी बजायी। घटना ने स्पष्ट संकेत दिया कि यदि इस दिशा में व्यापक स्तर पर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में देश के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौती पैदा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीणों तक पहुंचाए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की परख के लिये पानी के सैंपल लिए जाते हैं। साथ ही स्वच्छ पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेह लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जाता है। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जल जीवन मिशन के तहत तमाम राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल सैंपलों की जांच की गई। लेकिन चिंताजनक स्थिति यह है कि कुल नमूनों के छब्बीस प्रतिशत को ही शुद्ध करने के प्रयास हुए हैं।

आखिर देश के किसी भी भाग में पेयजल के सैंपल लेने का क्या औचित्य रह जाता है, जब प्रदूषित जल को लेकर उपचारात्मक प्रयास न किए जाएं। सवाल केवल ग्रामीण इलाकों के लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का ही नहीं है, शहरी इलाकों में शुद्ध जल की उपलब्धता भी सुनिश्चित होनी चाहिए। गाहे-बगाहे देश के शहरी इलाकों में भी प्रदूषित जल पीने से बीमार होने की खबरें आती रहती हैं। लेकिन स्थानीय निकाय इस चुनौती को गंभीरता से नहीं लेते। संपन्न लोग तो आरओ तथा फिल्टर आदि वैकल्पिक व्यवस्था कर लेते हैं, लेकिन कमजोर वर्ग व सामान्य लोग दूषित पानी के उपयोग के लिये मजबूर होते हैं।

स्वच्छ जल प्राप्त करना हर नागरिक का मौलिक व जीवन रक्षा का अधिकार जैसा है, जिसे गंभीरता से लेना चाहिए। इंदौर की घटना से सबक लेकर स्थानीय निकायों और प्रशासन को पेयजल व सीवर लाइन को सुरक्षित दूरी पर रखना सुनिश्चित करना चाहिए। जिन इलाकों में पेयजल पाइप लाइन को बिछे दशकों हो गए हैं, वहां उन्हें बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। साथ ही रोजमर्रा की जरूरतों में काम आने वाले भूजल की गुणवत्ता सुधारने तथा घातक रसायनों से उसे मुक्त कराने की दिशा में गंभीर पहल की जाए।

मौतें सबसे स्वच्छ शहर पर कलंक

यह शमर्नाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था।

निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कारर्वाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा।

विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा?

लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यसुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरणह्ल के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अथर्हीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कारर्वाई का समर्थन प्राप्त न हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है। निष्कर्ष यह भी है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और शासन संबंधी नारे व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। इंदौर की घटना के बाद देश के सभी राज्यों में संबंधित विभागों व स्थानीय निकायों को पेयजल से जुड़ी व्यवस्था का ध्यान रखना होगा कि कहीं पेयजल आपूर्ति लाइन जर्जर होकर दूषित पानी से तो नहीं मिल रही है। पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइप लाइनों का नियमित रूप से अवलोकन होना चाहिए। इस बाबत मंत्रालय और निकाय के अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। ऐसे गंभीर मामलों में लापरवाही के दोषियों को सख्त सजा देने का भी प्रावधान होना चाहिए। यह मामला गैर इरादतन हत्या जैसा भी तो है।

चेक डैम बना ग्रामीणों की आत्मनिर्भरता का आधार, जल संरक्षण के साथ रोजगार और खेती में आया बदलाव

नई दृष्टिबिंदु / मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर

छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के खड़गवां जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बरदर में विकास का एक सशक्त मॉडल उभरकर सामने आया है। यहां मनरेगा और जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) के अभिसरण से निर्मित चेक डैम ने न सिर्फ जल संरक्षण को मजबूती दी है, बल्कि ग्रामीणों की आजीविका और खेती-किसानी की दिशा भी बदल दी है।

करीब 19 लाख रुपए की लागत से बने इस चेक डैम में मनरेगा से 17 लाख और डीएमएफ से 2 लाख रुपए का योगदान रहा। निर्माण कार्य के दौरान 1070 मानव दिवस सृजित हुए, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार मिला और उनकी आर्थिक स्थिति को सहारा मिला। यह कार्य कलेक्टर डी. राहुल वेंकट और जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूरा किया गया ।चेक डैम बनने से गांव के आसपास के लगभग 15 किसानों को सीधा फायदा मिल रहा है। पहले जहां किसान केवल एक फसल पर निर्भर थे, वहीं अब वे धान के साथ दूसरी फसल लेने लगे हैं। सब्जी उत्पादन की ओर भी उनका रुझान बढ़ा है, जिससे आय के नए स्रोत खुल रहे हैं।

इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ जल संरक्षण के रूप में सामने आया है। चेक डैम में संचित पानी से भूजल स्तर में सुधार की उम्मीद है। किसान अब सोलर पंप के जरिए सिंचाई कर रहे हैं, जिससे खेती की लागत घटी है और उत्पादन में वृद्धि की संभावना बनी है। मनरेगा और डीएमएफ के इस अभिसरण ने यह साबित कर दिया है कि योजनाओं का समन्वित क्रियान्वयन किस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकता है। एक ओर जहां निर्माण के दौरान रोजगार मिला, वहीं दूसरी ओर स्थायी जल स्रोत ने किसानों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाया है। ग्राम पंचायत बरदर का यह चेक डैम अब अन्य ग्राम पंचायतों के लिए एक आदर्श उदाहरण बन गया है।

जल जीवन मिशन से बदली ग्राम किरीतमाल की तस्वीर

जहां कभी हर सुबह पानी की चिंता के साथ शुरू होती थी, आज वही दिन सुकून, सुविधा और मुस्कान के साथ गुजर रहा है। यह बदलाव है रायगढ़ जिले के ग्राम किरीतमाल के लोगों के जीवन में, जिनकी दिनचर्या जल जीवन मिशन के चलते पूरी तरह बदल चुकी है।

जिला रायगढ़ के विकासखंड खरसिया से लगभग 30 किलोमीटर दूर बसे इस गांव में कुछ साल पहले तक पानी की भारी किल्लत थी। एक साधारण किसान परिवार की गृहिणी तनूजा यादव के लिए हर दिन की शुरुआत पानी की व्यवस्था से होती थी। गांव में कुछ सीमित हैंडपंप ही पानी का एकमात्र साधन थे, जिनसे पानी लाने के लिए उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। कई बार दिन में दो से तीन बार चक्कर लगाना उनकी मजबूरी थी।

गर्मियों में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती थी। हैंडपंप सूख जाते, और जो चलते भी थे, वहां लंबी कतारें लगी रहती थीं। घंटों इंतजार करने के बाद भी पर्याप्त पानी मिलना मुश्किल होता था। इस रोजमर्रा के संघर्ष से न केवल समय का अपव्यय होता था, बल्कि इसका असर परिवार की दिनचर्या पर भी पड़ता था।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना इस गांव के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित हुई। योजना के तहत गांव में पाइपलाइन बिछाई गई और हर घर तक नल कनेक्शन पहुंचाया गया। जब तनूजा यादव के घर में पहली बार नल से पानी आया, तो वह पल उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। अब उन्हें पानी के लिए घर से बाहर नहीं जाना पड़ता। इस सुविधा ने उनके जीवन को न केवल आसान बनाया है, बल्कि उन्हें अपने समय का बेहतर उपयोग करने का अवसर भी दिया है। जो समय पहले पानी लाने में खर्च होता था, अब वह समय वे परिवार की देखभाल, घर के कामों और बच्चों के साथ बिताने में लगा रही हैं।

स्वच्छ और सुरक्षित पानी मिलने से उनके परिवार के स्वास्थ्य में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पहले जहां दूषित पानी के कारण छोटी-छोटी बीमारियां आम थीं, अब वे समस्याएं काफी हद तक खत्म हो गई हैं। सबसे बड़ा सकारात्मक बदलाव उनके बच्चों के जीवन में आया है। पहले जहां बच्चों को भी पानी लाने में हाथ बंटाना पड़ता था, अब वे नियमित रूप से स्कूल जा रहे हैं और अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे पा रहे हैं। आज तनूजा यादव गर्व और संतोष के साथ कहती हैं कि जल जीवन मिशन ने उनके जीवन को नई दिशा दी है।

निर्वाचन आयोग के सामने चुनौती

पश्चिम बंगाल में जिन अर्जियों पर अगले 18 दिन में फैसला नहीं हो पाएगा, उनसे संबंधित मतदाताओं के अधिकार की उपेक्षा करते हुए चुनाव कराना किस लिहाज से उचित माना जाएगा? एक भी नागरिक के मताधिकार का हनन अवांछित है। पश्चिम बंगाल में 60 लाख व्यक्तियों के मताधिकार पर अंतिम निर्णय हुए बिना निर्वाचन आयोग ने राज्य विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम का एलान कर दिया है।

ये वो लोग हैं, मतदाता सूची में जिनके नाम पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान विवाद खड़ा हुआ। उनसे संबंधित अर्जियां विचाराधीन हैं, जिन्हें निपटाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर न्यायिक अधिकारियों की सहायता ली जा रही है। लेकिन ये काम इतना पेचीदा है कि इस बारे में फैसले की रफ्तार धीमी बनी हुई है। इस बीच घोषित कार्यक्रम के मुताबिक छह अप्रैल को परचा भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

मुद्दा है कि जिन अर्जियों पर अगले 18 दिन में फैसला नहीं हो पाएगा, उनसे संबंधित मतदाताओं के अधिकार की उपेक्षा करते हुए चुनाव कराना किस लिहाज से उचित माना जाएगा? कहा जाता है कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत महत्त्वपूर्ण है। वोट हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है। एक भी नागरिक के इस अधिकार का हनन लोकतंत्र की मूलभूत भावना पर प्रहार होगा। ऐसा हुआ, तो उसके लिए सीधे तौर पर निर्वाचन आयोग को दोषी माना जाएगा, जिसने जल्दबाजी में एसआईआर कराने का फैसला किया। साथ ही ये प्रक्रिया निर्विवाद ढंग से हो तथा संदेह से परे रहे, इसका इंतजाम करने में वह विफल रहा।

रविवार को आयोग ने पश्चिम बंगाल के अलावा असम, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित किए। इनमें अच्छी बात तो यह है कि इस बार टुकड़ों-टुकड़ों में मतदान कराने की परिपाटी छोड़ दी गई है। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में और बाकी राज्यों में एक चरण में मतदान होगा।

मगर असम, केरल और पुडुचेरी में नौ अप्रैल को मतदान के बाद मतगणना के लिए 25 दिन के इंतजार की अवांछित स्थिति बनेगी। हाल में ऐसी परिस्थितियों से संदेह का माहौल बनता रहा है। अतः बेहतर होता कि हर राज्य में मतदान और मतगणना में न्यूनतम संभव अंतर रखा जाता। बहरहाल, अब आयोग के सामने चुनौती चुनाव प्रक्रिया को तमाम संदेहों और सवालों से परे रखने की है। ऐसा वह सभी पक्षों के प्रति समान नजरिये का परिचय देकर कर सकता है।

तकनीकी निर्भरता घटा रही कुदरती क्षमता

अक्सर कहा जाता है कि मनुष्य शरीर के वे अवयव निष्क्रिय हो जाते हैं, जिनका मनुष्य लगातार उपयोग नहीं करता। मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है।

सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं।

दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है। ये ही हमारे दिमाग में लक्षित जगह का नक्शा बनाने में मदद करते हैं कि हमें कैसे व कहां जाना है। रोचक तथ्य यह है कि मनुष्य के मस्तिष्क में यह कुदरती जीपीएस जन्म के बाद जल्दी ही सक्रिय हो जाता है। यानी कुछ समय बाद ही मनुष्य के शरीर में रास्ते पहचानने की क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि हम लगातार अपने शरीर के इस कुदरती गुण को नजरअंदाज करके तकनीक यानी जीपीएस पर निर्भरता बढ़ाने लगे हैं। चिंता इस बात की भी है कि कहीं देर-सवेर हम अपने शरीर के भीतर स्थित जीपीएस से वंचित न हो जाएं। जिसका सीधा असर हमारी सीखने की क्षमता, रास्ते याद रखने की शक्ति और भविष्य में लक्षित मार्ग खोजने की योग्यता में गिरावट के रूप में होगा। वैज्ञानिक कहते हैं कि हम तकनीक का इस्तेमाल करें, लेकिन कुदरती क्षमता को सिरे से नजरअंदाज न करें।

यदि समय-समय पर हम उसका उपयोग करेंगे तो उसकी सक्रियता बनी रहेगी। फिर जिन स्थानों पर गूगल व अन्य जीपीएस काम नहीं करते, वहां हम अपनी नैसर्गिक क्षमता का उपयोग रास्ते तलाशने में कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं कि दिमागी जीपीएस प्रारूप का इस्तेमाल रोबोटिक्स में करने में कैसे सफलता मिले। जिससे मशीनें भी वैसा ही व्यवहार करें जैसा हमारा दिमाग करता है।

पाकिस्तान में शांति वार्ता शुरू, मगर पश्चिम एशिया में और उलझती जा रही लड़ाई

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के लिए पाकिस्तान में बातचीत शुरू हुई है, जिसमें कई मुस्लिम देशों के विदेश मंत्री शामिल हैं। हालांकि ईरान सीधे संवाद से इनकार कर रहा है और क्षेत्रीय तनाव बढ़ता जा रहा है। जंग के कारण दुनिया पर आर्थिक दबाव बढ़ने लगा है।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के लिए रविवार को पाकिस्तान में बातचीत शुरू हो गई। सऊदी अरब, तुर्किये और इजिप्ट के विदेश मंत्री भी इस्लामाबाद पहुंचे हैं। एक दिन पहले यानी शनिवार को अमेरिका के विदेश मंत्री माकी रुबियो ने भरोसा जताया था कि युद्ध कुछ हफ्तों में खत्म हो जाएगा। पश्चिम एशिया में बढ़ती अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी से जुड़ी चिंताओं को भी उन्होंने यह कहकर खारिज कर दिया था कि युद्ध में थल सेना की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सीधी बात नहीं: यह पूरा सीन उम्मीदें जगाने वाला भी लगता है, लेकिन इसके साथ कई बड़ी चुनौतियां भी हैं। ईरान ने अमेरिका से सीधे बातचीत से इनकार कर दिया है, यानी अब दोनों के बीच संवाद के लिए कोई तीसरा पक्ष सामने आएगा। अमेरिका ने समझौते के लिए जो शर्तें रखी हैं, ईरान उससे इनकार करता आ रहा है। सऊदी अरब का रुख भी अहम रहेगा, क्योंकि खबरें हैं कि वह ईरान पर अमेरिकी हमले के समर्थन में भी था।

इस्राइल की मुश्किल: फिर शनिवार को ईरान समर्थित हूती विद्रोही भी जंग में शामिल हो गए, जिससे स्थिति और जटिल हो गई। इस्राइल भले ही कह रहा है कि वह कई मोर्चों पर लड़ने के लिए तैयार है, लेकिन हालात पहले से अलग और चुनौतीपूर्ण हैं। लेबनान में हिजबुल्लाह के साथ टकराव जारी है, जबकि गाजा में भी बड़े पैमाने पर सैन्य संसाधन लगे हुए हैं। ऐसे में इस्राइल पर दबाव और बढ़ता दिख रहा है।

अमेरिका में गुस्सा: इस लड़ाई का दुनिया पर बुरा असर पड़ रहा है। यूं तो डॉनल्ड ट्रंप दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से अमेरिका पर फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन वहां गैस के दाम 35% तक बढ़ चुके हैं, जबकि यूरोप में 80% तक। यह मामूली बात नहीं कि ट्रंप को सत्ता संभाले सवा साल भी नहीं हुए और उन्हें तीसरी 'नो किंग्स रैली' का सामना करना पड़ा। इस बार ट्रंप विरोधी विरोध-प्रदर्शन पूरे अमेरिका के अलावा यूरोप के कई देशों में भी हुए।

थोपा गया युद्ध: अमेरिका और इस्राइल ने शांति वार्ता पर भरोसा करने के बजाय सब जानते-समझते हुए भी लड़ाई का रास्ता चुना। उनके इस फैसले की कीमत अब दुनिया चुका रही है। तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से गरीब मुल्क सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। फर्टिलाइजर की कमी से वैश्विक खाद्य संकट पैदा होने का डर है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में ग्रोथ की रफ्तार धीमी पड़ने का डर है। इसलिए अच्छा यही होगा कि यह युद्ध जल्द रुके और इसका रास्ता बातचीत की टेबल से निकलता है।

ग्राम पंचायतों में ही हो रहा राजस्व प्रकरणों का त्वरित निपटारा, कलेक्टर ने ग्राम पंचायत सांकरा का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में राजस्व सेवाओं को और अधिक सुलभ, पारदर्शी व त्वरित बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल करते हुए ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने ग्राम पंचायत सांकरा का आकस्मिक आकस्मिक निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में राजस्व प्रकरणों के संबंधित आवेदन लिए जा रहे है। जिससे अविवादित नामांतरण, अविवादित खाता विभाजन जैसे राजस्व प्रकरणों को ग्राम पंचायत स्तर पर ही 15 दिनों के भीतर निराकृत किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिससे लोगों को तहसील कार्यालय जाने की जरूरत नहीं होगी। इससे नागरिकों के समय एवं श्रम की बचत हो रही है। इसके साथ ही नागरिकों को सहूलियत भी मिल रही है। उन्होंने ग्राम पंचायतों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के संबंध में गांवों में मुनादी कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने वहां उपस्थित किसानों से बातचीत कर उनके राजस्व संबंधी आवेदन के निराकरण की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि पहले छोटे-छोटे कार्यों के लिए कई बार तहसील कार्यालय जाना पड़ता था, परंतु अब वही काम ग्राम पंचायत में ही निराकरण होने से

काफी राहत मिली है। किसानों ने बताया कि यह बहुत अच्छी पहल है। ग्राम पंचायत में राजस्व संबंधित समस्याओं का निराकरण होने से बड़ी राहत मिलती है। किसान डुलेश कुमार बंजारे ने बताया कि उन्होंने फौती नामांतरण के लिए कुछ दिन पूर्व ग्राम पंचायत में आवेदन किया था और शीघ्र उनका फौती नामांतरण हो गया। इस व्यवस्था से उनका समय, राशि और श्रम की बचत हुई है और बहुत ही पारदर्शी एवं आसानी से फौती नामांतरण हो गया है। इससे वे बहुत खुश है।

कलेक्टर ने बताया कि इस अभिनव पहल से ग्राम पंचायतों में पीछले 6 माह में 1500 से ज्यादा राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया है। इसके लिए आवेदन प्राप्त होने के 15 दिवस के भीतर निराकरण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभिनव पहल से ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधित समस्याओं का निराकरण अब ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत बनकर उभर रही है।

ग्राम सांकरा के किसान डुलेश कुमार बंजारे ने बताया कि उन्होंने फौती नामांतरण के लिए कुछ दिवस पूर्व ही आवेदन ग्राम पंचायत में किया था। जिसके बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही उनका फौती नामांतरण कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले कई बार तहसील जाना पड़ता था, अब एक ही जगह सब काम हो जाता है। जिससे उनका समय, श्रम की बचत के साथ पूरी पारदर्शी तरीके से निराकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि फौती नामांतरण होने से समर्थन मूल्य में फसल विक्रय करने, प्रधानमंत्री सम्मान निधि, केसीसी जैसी योजनाओं का लाभ अब आसानी से मिल पाएगा। ग्राम सांकरा के अन्य किसान देव सिंह निषाद ने भी ग्राम पंचायत में आवेदन करने के पश्चात निर्धारित समय-सीमा में उनका फौती नामांतरण किया गया है। जिससे वे अपनी खुशी जाहीर की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, जनपद पंचायत सीईओ मनीष साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

जंगल में मिला नक्सली हथियारों का जखीरा, एके-47, इंसास रायफल सहित अन्य सामान किए बरामद

नई दृष्टिबिंदु / मोहला-मानपुर

छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर जिला पुलिस को नक्सल मोर्चे पर कामयाबी हाथ लगी है। जिले के डीआरजी और आईटीबीपी के जवानों ने बस्तर के शरहदी क्षेत्र अंतर्गत जंगल में माओवादियों का डंप खोज निकाला है, जहां से एक एके 47 व एक इंसास रायफल समेत वैपन संबंधी अन्य सामान व कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह की अगुवाई में जंगल पहुंचकर जवानों ने उक्त डंप बरामद किया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जंगल में नक्सल डंप की सूचना उपरांत मोहला-मानपुर जिला पुलिस की डीआरजी और केंद्रीय अर्ध सैनिक बल आईटीबीपी के जवानों ने आज सुबह बस्तर सीमावर्ती जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया। आपरेशन के दौरान बस्तर के कांकेर जिला अंतर्गत ग्राम उयकाटोला व कोवाचीटोला और मानपुर ब्लॉक के ग्राम कलवर के मध्य जंगल में जवानों को गड्ढे में छुपाया गया नक्सल डंप मिला। नक्सलियों ने दो रायफल के साथ कारतूस व वैपन संबंधी समान छुपा रखा था, जिसे बरामद कर सुरक्षा जवानों ने अपने कब्जे में लिया। गौरतलब है कि बस्तर के इसी उयकाटोला गांव से लगे जंगल से निकलकर आरकेबी डिवीजन के पांच माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया था।

डेडलाइन खत्म होने से पहले सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एक नक्सली ढेर

सुकमा। केंद्र सरकार द्वारा देश से नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए तय की गई 31 मार्च 2026 की समयसीमा अब खत्म हो गई है। इसी बीच सुकमा जिले से बड़ी खबर सामने आई है। यहां गट्टापाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुआ है। इस मुठभेड़ में एक नक्सली के मारे जाने की खबर सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, सुरक्षा बलों को गट्टापाड़ इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी मोर्चा संभाला। जंगलों के बीच दोनों ओर से गोलीबारी चलती रही। वहीं इस मुठभेड़ में एक नक्सली के मारे जाने की सूचना है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। फिलहाल, इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। इस पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग सुकमा एसपी किरण चव्हाण कर रहे हैं।

कोमालिका विश्व कैडेट और विश्व जूनियर खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज

एशियाई खेलों के चयन पर नजर, खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में होगा दमदार प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

साल 2021 में जब कोमालिका बारी ने अपनी राज्य की साथी दीपिका कुमारी की बराबरी करते हुए विश्व कैडेट और विश्व जूनियर दोनों खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज बनने का गौरव हासिल किया, तब जमशेदपुर की इस खिलाड़ी से काफी सारी उम्मीदें जुड़ गई थीं। हालांकि, जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद सीनियर सर्किट में उनका सफर उतना आसान नहीं रहा। कोमालिका एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अभी तक वह पूरी तरह अपनी जगह पक्की नहीं कर पाई हैं।

अब 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, ऐसे में कोमालिका ने अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। पुणे में चल रहे प्रशिक्षण शिविर में वह अपनी तकनीक को निखारने के साथ-साथ मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने पर भी खास ध्यान दे रही हैं। कोमालिका ने साई मीडिया को कहा कि, मैं फिलहाल टॉप-16 में हूं और राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा हूं। एशियाई खेलों के चयन को लेकर मैं गंभीरता से तैयारी कर रही हूं। साथ ही, मैं ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनुभव हासिल करना चाहती हूं, जबकि अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी बनाए रख रही हूं।

झारखंड की यह प्रतिभाशाली तीरंदाज यहां जारी पहले खेलो

इंडिया ट्राइबल गेम्स में तीरंदाजी प्रतियोगिता की प्रमुख आकर्षण हैं। कोमालिका ने आगे कहा कि, मेरा अंतिम लक्ष्य (2028) ओलंपिक है। इस समय मेरा प्रशिक्षण काफी अच्छा चल रहा है और मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं। सबसे ज्यादा ध्यान मानसिक रूप से मजबूत रहने पर है, क्योंकि प्रदर्शन में इसकी बहुत बड़ी भूमिका होती है। वह अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहती हैं, मेरी यात्रा ने मुझे सिखाया है कि उतार- चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से उन्हें पार कर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मैच अनुभव हासिल करने के अलावा वह अधिक से अधिक जनजातीय बच्चों को इस खेल को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहती हैं।

कोमालिका ने 12 साल की उम्र में पहली बार धनुष-बाण उठाया। उन्हें उनकी मां, जो एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं, का पूरा समर्थन मिला। उनकी मां ही उन्हें बिरसानगर में स्थानीय तीरंदाजी कोच के पास लेकर गईं, जहां से उनके करियर की शुरुआत हुई। साल 2012 में कोमालिका ने अपने शुरुआती संघर्षों का सामना करना शुरू किया। शुरुआती दिनों में उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि वे अभ्यास के लिए धनुष खरीद सकें, इसलिए उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान बांस से बने अस्थायी धनुष का सहारा लिया।

प्रशिक्षण शुरू करने के चार साल बाद कोमालिका ने जमशेदपुर स्थित टाटा आचर्री अकादमी में प्रवेश लिया और कोच धर्मेंद्र तिवारी तथा पूणिर्मा महतो के मार्गदर्शन में अभ्यास शुरू किया। लेकिन देश की इस प्रतिष्ठित अकादमी तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था, क्योंकि उन्हें अपने बिरसानगर स्थित घर से रोजाना 18 किलोमीटर साइकिल चलाकर वहां पहुंचना पड़ता था।

वह कहती हैं, जब मैंने तीरंदाजी शुरू की थी, तब मेरे कई सीनियर खिलाड़ी थे जिन्हें मैं रोल मॉडल मानती थी। हमें उन्हें आमतौर पर सिर्फ प्रतियोगिताओं के दौरान देखने का मौका मिलता था और इससे हमें काफी प्रेरणा मिलती थी।

उन्होंने आगे कहा कि , यही एक बड़ा कारण है कि मैं खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में हिस्सा ले रही हूं। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे खेलते हुए देखें और आगे आकर भाग लेने के लिए प्रेरित हों। अभी भी कई लोग भाग नहीं ले रहे हैं, लेकिन खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स एक बहुत अच्छा मंच है, जो प्रेरणा और अवसर दोनों प्रदान करता है।

24 वर्षीय कोमालिका रायपुर में जारी प्रतियोगिता में व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में हिस्सा ले रही है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2020 में व्यक्तिगत रजत पदक जीत चुकी कोमालिका इस मंच के महत्व को भली-भांति समझती हैं और मानती हैं कि ट्राइबल गेम्स जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के विकास को नई गति दे सकते हैं। वे कहती हैं कि, ट्राइबल गेम्स पूरे खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने की क्षमता रखते हैं, खासकर जनजातीय खिलाड़ियों के लिए। खेलो इंडिया द्वारा उठाया गया यह कदम और इन खेलों का आयोजन बेहद प्रभावशाली है। आमतौर पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं एक ही खेल पर केंद्रित होती हैं, लेकिन यहां कई खेल एक साथ आयोजित किए जा रहे हैं, ठीक राष्ट्रीय खेलों की तरह।

सीएम साय ने दिव्यांग चंदूलाल की सुनी पुकार, मिनटों में मिला समाधान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संवेदनशील और जनहितकारी शासन की एक भावुक झलक आज चंदखुरी में देखने को मिली, जब उन्होंने एक दिव्यांग ग्रामीण की समस्या को न केवल सुना, बल्कि मौके पर ही उसका समाधान सुनिश्चित कर मानवता और उत्तरदायी नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया।

चंदखुरी निवासी दिव्यांग चंदूलाल वर्मा के लिए यह दिन जीवन का अविस्मरणीय क्षण बन गया। वे मुख्यमंत्री से मिलने की आशा लेकर कायस्थ मंगल भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्ति के बाद जब वे मुख्यमंत्री से मिलने के लिए आगे बढ़े, तो सुरक्षा कारणों से उन्हें रोक दिया गया।इसी दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नजर उन पर पड़ी। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षाकमिर्यो को निर्देश दिया कि श्री वर्मा को मंच पर बुलाया जाए। यह एक छोटा-सा निर्णय था, लेकिन चंदूलाल के जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिलते ही चंदूलाल ने अपनी व्यथा साझा की। उन्होंने बताया कि वे पहले राजमिस्त्री का कार्य करते थे, लेकिन शुगर की बीमारी और डायबिटिक फुट के कारण उनके पैरों में गंभीर समस्या हो गई, जिससे चलना-फिरना कठिन हो गया। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे अब कोई कार्य नहीं कर पा रहे हैं और उन्हें बैटरी संचालित ट्राईसिकल की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अत्यंत संवेदनशीलता के साथ उनकी पूरी बात सुनी और तत्काल सहायता राशि प्रदान करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि उन्हें शीघ्र मोटराइज्ड ट्राईसिकल उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देशों का त्वरित पालन सुनिश्चित किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतीक बैस ने तत्काल प्रक्रिया पूर्ण कर चंदूलाल वर्मा को मोटराइज्ड ट्राईसिकल उपलब्ध कराया। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए चंदूलाल भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि मैंने सोचा भी नहीं था कि मुख्यमंत्री मुझसे मिलेंगे और मेरी समस्या का इतना जल्दी समाधान हो जाएगा। मैं उनका दिल से आभारी हूँ। धन्यवाद विष्णु भईया।

यह घटना केवल एक व्यक्ति की सहायता भर नहीं, बल्कि यह दर्शाती है कि राज्य सरकार का उद्देश्य हर नागरिक तक संवेदनशीलता, पहुंच और त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री का यह व्यवहार सुशासन के उस मॉडल को मजबूत करता है, जिसमें हर जरूरतमंद की आवाज सीधे शासन तक पहुंचती है और समाधान भी उतनी ही तेजी से मिलता है।

जैविक खेती प्रशिक्षण, सैकड़ों किसानों ने लिया संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़ स्थित मनोहर गौशाला परिसर में जैविक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से आए सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों और कृषि विशेषज्ञों ने गो-आधारित जैविक खेती, प्राकृतिक खाद और कम लागत में अधिक उत्पादन के तरीके बताए। किसानों ने जैविक खेती और गौ संरक्षण का संकल्प भी लिया, जिससे उनकी आय बढ़ने की उम्मीद है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के डायरेक्टर रिसर्च डॉ. विवेक त्रिपाठी, वैज्ञानिक डॉ. सुनील अग्रवाल और डॉ. नायक शामिल रहे।

वरिष्ठ किसान बिसेसर दास साहू विशेष अतिथि रहे। मनोहर गौशाला के ट्रस्टी और प्रशिक्षक डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने किसानों को फसल अमृत और मनोहर ऑर्गेनिक गोल्ड खाद बनाने का लाइव डेमो दिया। किसानों ने प्रशिक्षण को ध्यान से समझा और इसे अपनाने की इच्छा जताई। डिमो के बाद किसानों को फसल अमृत और आर्गेनिक गोल्ड निशुल्क बांटा गया। कार्यक्रम के दौरान गोबर और गोमूत्र से जैविक खाद बनाने, प्राकृतिक कीटनाशक तैयार करने और कम लागत में बेहतर उत्पादन के तरीके बताए गए। अंत में किसानों ने संकल्प पत्र भरकर जैविक खेती और गौ संवर्धन को बढ़ावा देने का निर्णय लिया।

केन्द्रीय मंत्री ने जल संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों का किया अवलोकन

केन्द्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री ने जिले में जल संरक्षण, भूमिगत जल स्तर सुधार और सतत जल प्रबंधन हेतु किए जा रहे अभिनव कार्यों की सराहना की

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

केन्द्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बरगा में परकोलेशन टैंक, इंजेक्शन वेल, बोरवेल सह रिचार्ज साफ्ट सैंड फिल्टर स्ट्रक्चर का अवलोकन किया। राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी ने जिले में जल संरक्षण, भूमिगत जल स्तर सुधार और सतत जल प्रबंधन हेतु किए जा रहे अभिनव कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जल प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास मॉडल के रूप में पूरे देश के लिए अच्छा उदाहरण है। राज्य मंत्री डॉ. चौधरी ने

ग्रामीणों से कहा कि फसल चक्र को अपनाकर कम पानी उपयोग वाली फसलों का अधिक से अधिक उपयोग करें। धान की जगह दलहन-तिलहन फसल लेने के लिए किसानों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पीएम-आशा योजना अंतर्गत समर्थन मूल्य पर दलहन-तिलहन किसानों से खरीदी की जा रही है। जिससे किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने जिले में निर्मित विभिन्न वॉटर रीचार्ज स्ट्रक्चर, पकोलेशन टैंक, रीचार्ज शाफ्ट, तालाब संरक्षण मॉडल तथा ग्राउंड वाटर मैनेजमेंट से जुड़े विस्तृत तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कम लागत में उच्च गुणवत्ता के जिले के वॉटर रीचार्ज स्ट्रक्चर बड़े स्तर पर बनाए गए हैं। जिससे भूमिगत जल स्तर में सुधार दर्ज किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि जिन गांवों में रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाया गया है। वहां के बोरवेल्स की जल क्षमता दोगुनी तक बढ़ी है, जिससे ग्रामीण इलाकों में पानी की उपलब्धता लगातार बेहतर हुई है। जल पुनर्भरण की इस तकनीक से जिले में लंबे समय से खराब पड़े बोरवेल्स में पुनरू पानी आने लगा है। रीचार्ज शाफ्ट बनाकर वर्षा जल को सीधे भूमिगत धारण क्षमता वाले हिस्सों तक पहुँचाया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्षा जल और ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए अलग-अलग संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह उपस्थित थे।

डीआईजी ने किया कोतवाली का निरीक्षण, नशे व अवैध कार्यों में लिप्त लोगों पर करें कड़ी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (आईपीएस) ने थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों का मनोबल बढाये जाने के साथ ही कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक ने थाना में समस्याएं एवं शिकायतें लेकर आए आम जनमानस की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा मौके पर ही थाना प्रभारी को रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उचित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने थाना में आए आम जनमानस से मिलकर उनसे संवाद किया तथा उनके ग्रामों एवं आसपास क्षेत्रों के संबंध में जानकारी लेकर हालचाल जाना।

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने कहा कि शिकायत लेकर आने वाले लोगों से मैत्रीपूर्ण व्यवहार करते हुए उनकी शिकायतों को धैयर्पूर्वक सुनकर प्राथमिकता के आधार

पर उनका समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि पीड़ित की शिकायत को संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निराकृत किया जाएगा, तो समाज में पुलिस के प्रति विश्वास और सकारात्मक छवि विकसित होगी।

निरीक्षण के दौरान बंदी गृह, महिला डेस्क, विवेचक कक्ष, मालखाना सहित संपूर्ण चौकी परिसर की स्थिति का जायजा लिया गया। अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली दवाओं एवं अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। लंबित अपराध, मर्ग, गुम इंसान एवं शिकायतों के शीघ्र निराकरण पर विशेष जोर दिया गया।

डीआईजी रामकृष्ण साहू ने विजिबल पुलिसिंग को बढ़ावा देने, रात्रि गश्त, पेट्रोलिंग, कॉम्बिंग ऑपरेशन, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं गोवंश तस्करी पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साइबर प्रहरी अभियान एवं त्रिनयन एप के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सशक्त एप के माध्यम से वाहन चेकिंग को प्रभावी बनाने तथा स्मार्ट एवं हाईटेक पुलिसिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कम्यूनिटी पुलिसिंग को सुदृढ़ करने, अपराध नियंत्रण हेतु मजबूत सूचना तंत्र विकसित करने तथा विजिबल पुलिसिंग एवं चेकिंग अभियान को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अपराधों के निराकरण हेतु ऑपरेशन मुस्कान चलाने तथा संपत्ति संबंधी अपराधों के आदतन आरोपियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

बीट प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करें तथा जुआ, अवैध शराब, मादक पदार्थों की गतिविधियों की जानकारी संकलित करें। निगरानी एवं सूचीबद्ध अपराधियों पर सतत नजर रखें तथा क्षेत्र की महत्वपूर्ण सूचनाएं नियमित रूप से बीट पुस्तिका में अद्यतन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य थाना/चौकी स्तर पर जनसंपर्क को सुदृढ़ करना एवं अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। बीट प्रणाली से सूचना तंत्र मजबूत होगा और क्षेत्र पर पुलिस का नियंत्रण बेहतर होगा। डीआईजी ने सरप्राइज चेकिंग के माध्यम से वाहनों की सघन जांच करने, सशक्त एप के उपयोग को बढ़ाने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, भीड़भाड़ वाले स्थानों जैसे बस स्टैंड, चौपाटी आदि में नियमित चेकिंग एवं संदिग्ध व्यक्तियों—ठेला, गुमटी संचालकों एवं फेरीवालों—की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

आकस्मिक निरीक्षण के दौरान एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, उप निरीक्षक शैल शर्मा, सउनि दीनानाथ सिन्हा, जितेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक कामता प्रसाद साहू, रघुराज यदु, नरेन्द्र सिंह, भुषण ठाकुर, आरक्षक मालिक राम सिन्हा, महेश जांगडे, कुसुम कोशले, संदीप साहू, खोमलाल निषाद, देवेन्द्र साहू, राजेन्द्र जायसवाल, सुशील यादव, राजेन्द्र मेरावी, महिला आरक्षक रामबती नेताम व अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने ली अंतविर्भागीय की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने नवा रायपुर स्थित आयोग कार्यालय में अंतविर्भागीय बैठक ली। बैठक मे वर्ष 2025-26 के दौरान 21 जिलों में किए गए निरीक्षण एवं खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग तथा आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग के अधिकारियों द्वारा उचित मूल्य दुकानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन एवं शासकीय आश्रम/छात्रावासों में पाई गई कमियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

अध्यक्ष संदीप शर्मा ने ट्राइबल विभाग द्वारा संचालित बालक छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता एवं सामग्री आपूर्ति में सुधार के निर्देश दिए गए तथा कन्या छात्रावासों की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर बताई गई। ट्राइबल विभाग द्वारा 21 जिलों की अनुशंसाओं के पालन प्रतिवेदन तथा पूर्व वर्षों के प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए शीघ्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में आश्रम एवं छात्रावासों में दैनिक भोजन मेन्यू के स्थायी प्रदर्शन, पात्रता अनुसार भोजन वितरण तथा शिकायत एवं सुझाव हेतु आयोग और खाद्य विभाग के कॉल सेंटर नंबर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति को पोषण ट्रैकर में सही तरीके से दर्ज करने तथा आकस्मिक निरीक्षण के माध्यम से सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अनियमित रूप से संचालित, सूचना प्रदर्शित नहीं करने वाली एवं स्टॉक में गड़बड़ी पाए जाने वाली उचित मूल्य दुकानों के संचालकों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

स्प्लिट्सविला के कंटेस्टेंट्स को संभालना बच्चों को संभालने जैसा है

अभिनेता करण कुंद्रा इन दिनों लोकप्रिय भारतीय डेटिंग रियलिटी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला के 16वें सीजन में नजर आ रहे हैं। इस शो में करण के साथ सनी लियोनी भी मेजबानी कर रही हैं। करण ने हाल में खास बातचीत में बताया कि शो में सनी लियोनी और उन्होंने इस शो को अच्छे से करने में पूरा और जान लगा दी है। उन्होंने कहा, 'हमने इस प्रोजेक्ट के लिए अपना दिल और जान सब लगाया है क्योंकि हमारे लिए शो में 32 कंटेस्टेंट्स को संभालना अपने बच्चों को संभालने के बराबर है। शो के दौरान हम उनकी भावनाओं से जुड़ते हैं और उनकी बात को अच्छे से समझाने की कोशिश करते हैं।' शो के दौरान करण कुंद्रा और सनी लियोनी कंटेस्टेंट्स के इमोशंस को बहुत ध्यान से हैंडल करते हैं। शो में प्यार, रिश्ते और चुनौतियों पर आधारित कई दिलचस्प टास्क होते हैं। दोनों होस्ट्स कंटेस्टेंट्स को सही सलाह देते हैं और उन्हें समझाते हैं कि जीवन में क्या सही है। अभिनेता ने इसे लेकर कहा कि जब मेरे और सनी के बच्चे बड़ें होंगे और वे पीछे मुड़कर देखेंगे कि उनके माता-पिता ने किस तह के प्रोजेक्ट पर काम किया है, तो वे हम पर गर्व करेंगे। करण ने कहा, 'जब हमारे बच्चे इस शो को पीछे मुड़कर देखेंगे और अपने माता-पिता को स्क्रीन पर देखेंगे, तो वे कहेंगे कि 'हमारे माता-पिता सच में बहुत कमाल के हैं।' '

एमटीवी 'स्प्लिट्सविला एक्स 6' एक डेटिंग रियलिटी शो है, जो एमटीवी इंडिया पर आता है। शो के अब तक 16 सीजन आ चुके हैं और इस शो को सनी लियोनी और करन कुंद्रा होस्ट कर रहे हैं। वहीं, उर्फी और निया भी नजर आ रही हैं। इनका काम प्रतियोगियों को चुनौती देना और खेल में बाधाएं डालना होगा। वे हर कदम पर प्रतियोगियों को उलझाएंगी और उन्हें अपने निर्णयों पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर करेंगी। स्प्लिट्सविला एमटीवी चैनल और ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है।

एक्शन-कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे, इन एक्टर्स को बताया अपना फेवरेट

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की। बातचीत में शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवन भर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है। इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं।

कंफर्ट जोन से बाहर आकर काम करना चाहती हैं शालिनी

अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं। मैं ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हूं जो एक एक्टर के रूप में मुझे प्रेरित करें, जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरित करें। ऐसा नहीं है कि मैं जहां भी हूं वहां बहुत सहज होने की कोशिश नहीं करती, लेकिन एक एक्टर के रूप में मैं खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां मेरा विकास बिल्कुल न हो रहा हो।

ऋतिक और रणवीर को बताया अपना फेवरेट एक्टर

किस तरह के कलाकार के साथ काम करने के सवाल पर शालिनी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करने का मौका मिले जो मेरा पूरक हो और मैं उस व्यक्ति का पूरक बन सकूं। वहीं एक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे सबसे पहले रणवीर सिंह एक अभिनेता के रूप में बहुत पसंद हैं। मैंने 'धुरंधर' देखी है, जो मेरी हाल की पसंदीदा फिल्मों में से एक है, इसलिए मुझे लगता है कि वह हर तरह की भूमिका में अच्छे हो सकते हैं। इसके अलावा ऋतिक रोशन भी इस लिस्ट में हैं, क्योंकि मैंने उन्हें बचपन से ये सब करते देखा है। मुझे लगता है कि सबसे पहले इन्हीं दो लोगों का नाम आता है।

आखिरी बार इस सीरीज में नजर आई थीं शालिनी

वर्कफ्रंट की बात करें तो तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शालिनी ने बॉलीवुड में डेब्यू रणवीर सिंह के ही साथ किया। 2022 में रणवीर के साथ फिल्म 'जयेशभाई जोरदार' से उन्होंने हिंदी फिल्मों में कदम रखा है। वो आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'राहु केतु' और सीरीज 'बैंडवाले' में नजर आई हैं।

अक्षय कुमार ने 26 साल छोटी वामिका के साथ रोमांस करने की आलोचनाओं पर दिया जवाब

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में है। फिल्म की पूरी टीम प्रमोशन में जुटी हुई है। हाल ही में फिल्म का एक रोमांटिक सॉन्ग रिलीज किया गया, जिसमें अक्षय कुमार वामिका गब्बी के साथ नजर आ रहे हैं। अब 58 साल के अक्षय कुमार और 32 साल की वामिका गब्बी के बीच 26 साल उम्र का फासला होने को लेकर एक बहस छिड़ गई है। कई लोगों ने 26 साल छोटी वामिका के साथ रोमांस करने पर अक्षय कुमार की आलोचना की। अब अक्षय कुमार ने इन आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी है।

हमने पहले भी ऐसा देखा है

बातचीत के दौरान जब अक्षय से इन आलोचनाओं को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'तो क्या है? हमने पहले कभी देखा नहीं है क्या? हॉलीवुड में भी ऐसा होता है। कभी-कभी स्क्रिप्ट की जरूरत होती है। वास्तविक जीवन में भी बहुत से लोग अपने से बड़े या छोटे जीवनसाथी से शादी करते हैं।'

एक्टर की असल उम्र और फिल्मी उम्र में होता है अंतर

'भूत बंगला' के निर्देशक प्रियदर्शन ने भी इस मामले पर अपनी राय देते हुए कहा कि एमजीआर और एनटीआर जैसे लोग अक्सर कहते थे कि वास्तविक उम्र और फिल्मी उम्र में बहुत अंतर होता है। किसी अभिनेता की फिल्मी उम्र उसकी असली उम्र को नहीं दर्शाती। लोग अभिनेताओं को उनकी फिल्मी उम्र के साथ भी स्वीकार करते हैं और उन्हें इसमें कोई परेशानी भी नहीं है। शूटिंग के दौरान हो सकता है कि लोग किसी जोड़ी को देखें और महसूस करें कि वे सही नहीं हैं। यह फैसला उनकी उम्र के अंतर से जुड़ा नहीं हो सकता है। प्रियदर्शन ने आगे कहा कि जब मैं अक्षय या तब्बू के साथ शूटिंग करता हूं, तो मुझे उन्हें देखने में कभी कोई दिक्कत नहीं होती। जब दर्शक फिल्म देखते हैं, तो मुझे पता चलता है कि उन्हें भी कोई दिक्कत नहीं होती। ऐसा उनके किरदारों और फिल्म में उनकी उम्र के कारण है।

अक्षय ने की वामिका की तारीफ

इस दौरान अक्षय कुमार ने अपनी को-एक्टर वामिका गब्बी की जमकर तारीफ भी की। उन्होंने 'भूत बंगला' की शूटिंग के दौरान अपनी पहली मुलाकात को भी याद करते हुए कहा कि वह बहुत अलग तरीके से काम करती हैं। वह अपने सीन को पढ़ती रहती हैं और उनका अभ्यास करती रहती हैं। वह बहुत गंभीर हो जाती हैं। वहीं तब्बू को लेकर अक्षय ने कहा कि तब्बू तो उनसे भी ज्यादा गंभीर हैं। वहीं दूसरी ओर, विद्या बालन, जिनके साथ मैं अनीस बज्मी की फिल्म में काम कर रहा हूं, एक इंडिपेंडेंट कलाकार होने में विश्वास रखती हैं।

धुरंधर की सफलता के बाद अब 'बादशाह' की सवारी करेंगी सौम्या टंडन, शुरू की घुड़सवारी की ट्रेनिंग

अभिनेत्री सौम्या टंडन इन दिनों स्पाई एक्शन फिल्म 'धुरंधर : द रिवेंज' को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच, अभिनेत्री ने अपने नए शौक का खुलासा किया और बताया कि उन्होंने उसकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उन्हें घुड़सवारी का काफी शौक था, जिसकी उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। फिल्म की सफलता के बाद सौम्या अब अपनी नई रुचि पर फोकस कर रही हैं। घुड़सवारी उनके लिए न सिर्फ नया शौक है बल्कि एक सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम भी है। सौम्या ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें वे घोड़ों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, कुछ तस्वीरों में वे घुड़सवारी सीखते हुए भी दिख रही हैं। सौम्या ने लिखा, 'पहला दिन और पहली घुड़सवारी की क्लास।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें बचपन से ही घोड़े बहुत पसंद रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'घोड़े बहुत सुंदर और नाजुक जानवर होते हैं। मैं हमेशा उनसे आकर्षित रही हूं। मैं बचपन में एक बड़े फार्म का सपना देखती थी, जहां खूबसूरत घोड़े और कुत्ते हों। मैं खुद उन घोड़ों पर सवारी करते हुए खुद को देखती थी।' सौम्या ने लिखा, 'पहला दिन थोड़ा मुश्किल रहा, लेकिन मैंने घुड़सवारी सीखना शुरू कर दिया है, तो पहला दिन काफी खतरनाक और थकाऊ था। मेरी पीठ में दर्द हो रहा है, लेकिन इस क्लास में मुझे एक नया दोस्त मिल गया। वह दोस्त है एक सुंदर सफेद घोड़ा, जिसका नाम 'बादशाह' है।' सौम्या ने मजाकिया अंदाज में बताते हुए लिखा, 'मैंने बादशाह से बहुत बातें कीं। सच कहूं तो वह बहुत अच्छा सुनने वाला था या शायद उसके पास और कोई चारा नहीं था, लेकिन उसने मेरी सारी बातें ध्यान से सुनीं। मुझे लगता है कि हमारे बीच एक खास कनेक्शन बन गया है। हम अच्छे दोस्त बन गए हैं।' अंत में सौम्या ने लिखा, 'फिर मिलेंगे बादशाह, जल्दी ही। उम्मीद है एक दिन हम साथ में घोड़ी चलाएंगे और तेज दौड़ लगाएंगे।'

'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाना चाहते हैं इमरान खान

इस एक्टर को लीड रोल में लेने की जताई इच्छा

अनिल कपूर स्टारर 'मिस्टर इंडिया' अपनी रिलीज के 29 साल बाद भी दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर है। फिल्म को हर पीढ़ी के दर्शक काफी पसंद करते हैं। कई बार फिल्म का सीक्वल बनाने की भी चर्चाएं उठीं। अब अभिनेता इमरान खान ने 'मिस्टर इंडिया' का रीमेक बनाने की इच्छा जताई है।

'मिस्टर इंडिया' के फैन रहे हैं इमरान

हाल ही में रेडिट के एक आस्क मी एनिथिंग सेशन में इमरान खान ने फैंस के अलग-अलग सवालों के जवाब दिए। इसी दौरान एक प्रशंसक ने इमरान खान से पूछा, 'अगर आपको कभी दुनिया के किसी भी इंडस्ट्री के किसी भी पॉपुलर किरदार (सुपरहीरो सहित) को अपने नजरिए से फिर से लिखने का मौका मिले, तो आप किसे चुनेंगे?'

इसके जवाब इमरान ने कहा कि यह सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन कई साल से मेरा सपना रहा है कि मैं 'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाऊं। मैं इस फिल्म का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। क्योंकि यह एक फिक्शनल कॉमिक बुक फिल्म को यथार्थवादी और इमोशनल रूप से मजबूत बनाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह शानदार है। अनिल कपूर आज भी उतने ही अच्छे दिखते हैं जितने तब दिखते थे।

इमरान को पसंद है 'मिस्टर इंडिया' की मासूमियत

इसी दौरान इमरान से पूछा गया, ''मिस्टर इंडिया' एक महान किरदार हैं। उनकी यात्रा का आधुनिक रूप देखना बहुत रोमांचक होगा। इसलिए इसमें कुछ भी अजीब नहीं है। लेकिन क्या आप उसे एक हीरो वाला कैरेक्टर ही रखेंगे या एक क्लासिक विलेन के रूप में बदलने का जोखिम उठाना चाहेंगे?' इस पर इमरान ने कहा कि मेरे लिए इस किरदार की खूबसूरती उसकी ईमानदारी और आदर्शवाद में ही है। एक्टर ने कहा कि मुझे सच में लगता है कि मूल फिल्म में अनिल कपूर का जो आकर्षण और मासूमियत थी, उसे रीमेक में आप बखूबी निभा सकते हैं। मुझे जरूर बताएं कि मैं इसके लिए कहां साइन अप कर सकता हूं।

1987 में रिलीज हुई थी 'मिस्टर इंडिया'

शेखर कपूर द्वारा निर्देशित 'मिस्टर इंडिया' साल 1987 में रिलीज हुई थी। यह एक लोकप्रिय सुपरहीरो फिल्म है। इसमें अनिल कपूर ने अरुण वर्मा का किरदार निभाया है, जो एक वायलिन वादक है और अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करता है।

11 साल बाद इस फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर नजर आएंगे इमरान

इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में एक छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। उनकी लीड हीरो के रूप में अगली फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' है। इस फिल्म के जरिए इमरान लगभग 11 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह वेब सीरीज 'मां का सम'

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। 'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है।

आज था आखिरी मौका : बकाया कर जमा करें, वरना कल से होगी सख्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा बकाया करदाताओं के खिलाफ अब सख्ती का दौर शुरू हो गया है। आयुक्त सुमित अग्रवाल के कड़े निर्देशों के बाद राजस्व विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। लंबे समय से कर बकाया रखने वाले करदाताओं पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दे कि 31 मार्च को वित्तीय वर्ष का अंतिम दिन होने के कारण सभी करदाताओं को अंतिम अवसर दिया गया है कि वे अपना बकाया कर तुरंत जमा कर दें। नगर निगम द्वारा अपील की गई है कि सभी छोटे और बड़े बकायादार 31 मार्च शाम तक अपनी लंबित राशि जमा कर दें। यदि इसके बाद भी बकाया राशि जमा नहीं की जाती है, तो 1 अप्रैल से निगम द्वारा सख्त कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

इस कार्रवाई के तहत बकायादारों के नल कनेक्शन काटना, संपत्तियों को सील करना सहित अन्य दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे। निगम अमला इस संबंध में पूरी तैयारी कर चुका है और किसी भी बकायादार को अब राहत नहीं दी जाएगी। करदाता अपना टैक्स घर बैठे ऑनलाइन https://municipalcorporation.in/ लिंक पर जमा कर सकते है। निगम प्रशासन ने साफ शब्दों में कहा है कि 31 मार्च के बाद की जाने वाली कार्रवाई के लिए संबंधित करदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। इसलिए समय रहते कर जमा कर अनावश्यक परेशानी से बचें।

प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने नागरिकों को 1 महीने का एक और मौका

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने वाले नागरिकों को बड़ी राहत दी गई है। सरकार ने टैक्स जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 30 अप्रैल कर दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नई निर्धारित तिथि के बाद टैक्स जमा करने पर 17 प्रतिशत सरचार्ज देना होगा इसलिए नागरिकों से समय पर भुगतान करने की अपील की गई है। राजस्व वसूली का लक्ष्य निर्धारित समय सीमा में पूरा नहीं होने के कारण यह फैसला लिया गया है। इसी के चलते राज्य के सभी नगरीय निकायों को 30 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। इस निर्णय से उन करदाताओं को राहत मिलेगी, जो निर्धारित समय में टैक्स जमा नहीं कर पाए थे। अब वे बिना अतिरिक्त शुल्क के 30 अप्रैल तक भुगतान कर सकेंगे। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि से पहले अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर दें, ताकि सरचार्ज से बचा जा सके।

खास खबर

केवायसी नहीं होने से राशन मिलना बंद, कांग्रेस नेता नारायणी ने गरीब परिवारों के साथ बताया अन्याय

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में केवाईसी की अनिवार्यता अब गरीब राशन कार्डधारी परिवारों के लिए बड़ी समस्या बनते जा रही है। तकनीकी खामियों और प्रक्रिया संबंधी दिक्कतों के कारण कई पात्र परिवारों को समय पर राशन नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी रोजमर्रा की जरूरतें प्रभावित हो रही हैं। केवाईसी प्रक्रिया में सबसे अधिक परेशानी परिवार के छोटे बच्चों और बुजुर्ग सदस्यों के सत्यापन को लेकर सामने आ रही है।

बायोमेट्रिक मिलान में दिक्कत, आधार लिंकिंग की समस्या और नेटवर्क संबंधी तकनीकी बाधाओं के चलते इन वर्गों का केवाईसी पूरा नहीं हो पा रहा है। स्थिति इतनी गंभीर है कि यदि परिवार के एक भी सदस्य का केवाईसी अधूरा रह जाता है, तो पूरे परिवार का राशन कोटा बंद कर दिया जा रहा है। इस गंभीर मुद्दे पर पूर्व सभापति एवं कांग्रेस नेता राजकुमार नारायणी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि केवाईसी की अनिवार्यता के चलते पात्र गरीब परिवारों को राशन से वंचित करना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि तकनीकी खामियों को जल्द दूर करते हुए ऐसी व्यवस्था बनाई जाए, जिससे किसी भी पात्र परिवार का राशन बंद न हो।

इस व्यवस्था का सीधा असर गरीब और जरूरतमंद परिवारों पर पड़ रहा है। राशन नहीं मिलने के कारण उन्हें बार-बार खाद्य विभाग के दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन वहां भी उन्हें संतोषजनक समाधान नहीं मिल रहा। परेशान होकर कई परिवार मजबूरी में निजी किराना दुकानों से महंगे दामों पर खाद्यान्न खरीदने को विवश हैं, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। पूर्व सभापति एवं कांग्रेस नेता राजकुमार नारायणी ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य गरीबों को राहत देना है, न कि उन्हें परेशान करना। इसलिए प्रशासन को चाहिए कि केवाईसी प्रक्रिया को सरल बनाया जाए और विशेष रूप से बच्चों एवं बुजुर्गों के लिए वैकल्पिक सत्यापन की व्यवस्था लागू की जाए। यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो बड़ी संख्या में गरीब परिवार खाद्य सुरक्षा से वंचित हो सकते हैं। ऐसे में शासन और संबंधित विभागों को त्वरित हस्तक्षेप करते हुए जमीनी स्तर पर राहत पहुंचाना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 8.10 करोड़ की सिंचाई परियोजना नहर लाइनिंग कार्य का किया शुभारंभ

किसानों के लिए बड़ी सौगात, राम्हेपुर नहर लाइनिंग से 1540 एकड़ में पहुंचेगा पानी

नई दृष्टिबिंदु / कबीरधाम

कबीरधाम जिले के बोड़ला क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की दिशा में लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए उप मुख्यमंत्री और कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने ग्राम सारंगपुर पहुंचकर 8.10 करोड़ रुपए की लागत से बोड़ला विकासखंड अंतर्गत छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं उससे संबद्ध माइनर नहरों के सीसी लाइनिंग कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया।

यह महत्वाकांक्षी परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। कार्य पूर्ण होने पर कुल 1540 एकड़ क्षेत्र में सुचारू सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी तथा 6 गांवों के 800 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। नहरों के सुदृढ़ीकरण से जल का अपव्यय रुकेगा, अंतिम छोर तक पानी पहुंचेगा और खेती-किसानी को नई मजबूती मिलेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने सारंगपुर गांव के विकास के लिए 41 लाख रुपए की सीसी रोड निर्माण और गांव के मेन चौक में भव्य डोम निर्माण की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भूमि पूजन के अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब और किसान को केंद्र में रखकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि नहरों की लाइनिंग से पानी का अनावश्यक रिसाव रुकेगा, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और नहरों के अंतिम छोर तक भी समान रूप से पानी पहुंच सकेगा। इससे न केवल फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिले। उन्होंने कहा कि नहर निर्माण कार्य से उनकी खेती को सीधा लाभ मिलेगा। आज से निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, इसलिए गांव के लोग भी इसमें सक्रिय रूप से ध्यान दें और जनसहयोग से कार्य को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य की सफलता में आमजन की भागीदारी सबसे अहम होती है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस अवसर पर गांव में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं के तहत मिली राशि गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। इसके साथ ही सीएलएफ स्तर पर गांव में महतारी सदन का निर्माण भी किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनके संपत्ति अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अधिकार पत्र तैयार किए जा रहे हैं, जिससे गांवों में पारदर्शिता और स्वामित्व की स्पष्टता बढ़ेगी। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, राम किंकर वर्मा, मनीराम साहू सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

1540 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का होगा विस्तार

वर्तमान में इन नहरों के माध्यम से लगभग 1045 एकड़ क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है। परियोजना पूर्ण होने के पश्चात सिंचाई क्षमता में 495 एकड़ की अतिरिक्त वृद्धि होगी, जिससे कुल 1540 एकड़ क्षेत्र में किसानों को नियमित एवं सुचारू रूप से खरीफ फसलों के लिए पानी मिल सकेगा। इससे क्षेत्र में कृषि उत्पादन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

13.65 किलोमीटर लंबी नहरों का होगा कायाकल्प

परियोजना के अंतर्गत कुल लगभग 13.65 किलोमीटर लंबाई की नहरों का सी.सी. लाइनिंग एवं जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से राम्हेपुर वितरक नहर (4650 मीटर), सिल्हाटी माइनर-1 (1230 मीटर), सिल्हाटी माइनर-2 (1680 मीटर), बघरा माइनर (780 मीटर) तथा राम्हेपुर टेल माइनर (दांयी एवं बांयी) कुल 5310 मीटर शामिल हैं। इसके साथ ही नहरों में आवश्यक पक्के संरचनाओं का पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्य भी किया जाएगा, जिससे नहरों की मजबूती और जल प्रवाह की क्षमता में वृद्धि होगी।

6 गांवों के किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

इस योजना से मुख्य रूप से मानिकपुर, सिल्हाटी, बघर्रा, सारंगपुर कला, सिंधनुपरी एवं राम्हेपुर कला ग्रामों के किसान सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। नहरों के सुदृढ़ीकरण से इन गांवों में जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए वैकल्पिक साधनों पर निर्भरता कम करनी पड़ेगी।

बंदियों के आयु सत्यापन के लिए जेल का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / गरियाबंद

सर्वोच्च न्यायालय तथा बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार जेलों में निवासरत बंदियों का उम्र सत्यापन कराया जाएगा। उम्र निर्धारण के संबंध में संदेह अथवा प्रक्रियागत त्रुटि के कारण बच्चे जेलों में निरुद्ध हो जाते हैं। जिनके उम्र का सत्यापन करने के लिए अधिवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के पैनल को सम्मिलित कर जेलों का निरीक्षण प्रत्येक तीन माह में किया जाता है।

जिसके तहत जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार तथा जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी के मार्गदर्शन में सोमवार 30 मार्च को दोपहर 12:00 बजे जिला जेल गरियाबंद का निरीक्षण किया गया। इस इस दौरान किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य पूणिर्मा तिवारी, बाल कल्याण समिति के सदस्य ताकेश्वरी साहू, लोक आस्था की सामाजिक कार्यकर्ता लता नेताम, अधिवक्ता हेमराज दाउ, एवं विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी शरदचंद निषाद द्वारा जेल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति द्वारा 05 बैरकों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण समिति द्वारा प्रत्येक बंदियों से मुलाकात कर उनके वास्तविक आयु की जानकारी ली गई। जिसमें 180 बंदी निरूध्द पाया गया जबकि 10 बंदी अपने प्रकरण के अग्रिम कार्यवाही हेतु न्यायालय गये हुये थे। 03 बंदियो ने जेल निरीक्षण समिति को बताया कि हमारा उम्र 18 वर्ष से कम लग रहा है, जबकि 02 बंदियों ने बताया कि जेल में निरुद्ध रहने से उनके बालकों का घर में देखरेख एवं संरक्षण करने वाले वैध संरक्षण घर में कोई नहीं है।

महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव : प्रभात फेरी, सांस्कृतिक आयोजन और सेवा की धूम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति दुर्ग के आह्वान पर सकल जैन समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ किया जा रहा है। समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी से पूरा वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर है।

महोत्सव के अंतर्गत आज सुबह भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभात फेरी बांधा तालाब दुर्ग से प्रारंभ होकर गंज पारा, वधर्मान हाइट्स होते हुए ऋषभ ग्रीन सिटी में संपन्न हुई। मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के संदेशों का प्रचार-प्रसार किया। ऋषभदेव परिसर में आयोजित जैन यूनिटी कानिर्वाल में बच्चों को धर्म और संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया गया। समता बहु मंडल के मार्गदर्शन में विभिन्न जैन संघों द्वारा आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जिनमें खेल-खेल में धर्म की शिक्षा देने पर विशेष जोर रहा। कार्यक्रम का संचालन संता महिला मंडल की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक किया।

श्री शांति विजय महिला मंडल द्वारा वीर नाट्य स्पर्धा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिला मंडलों ने भगवान महावीर के जीवन पर आधारित नृत्य-नाटिकाओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। इसमें कुशल बहु मंडल, जनत्व महिला मंडल, विद्यांजलि ग्रुप, श्रमण संघ महिला मंडल, महिलादीप्ति कांकरिया, समता बहु मंडल एवं नवकार मंडल ने भाग लिया। गंज मंडी प्रांगण में महावीर मेले के तहत जैन कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने हेतु महिलाओं द्वारा स्टॉल लगाए गए। इस पहल का उद्देश्य गृह-आधारित व्यवसाय करने वाली महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके उत्पादों को पहचान दिलाना है। कार्यक्रम का संचालन कुशल बहु मंडल की सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। महोत्सव समिति कार्यालय में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड, अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र, एचएसआरपी नंबर प्लेट एवं लर्निंग लाइसेंस बनाने हेतु शिविर लगाया गया है, जहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर लाभ ले रहे हैं। इस कार्य में प्रकाश देशलहरा एवं दिनेश मारोटी की विशेष भूमिका रही।

आज महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर कई प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें— पुराना बस स्टैंड में विशाल भंडारा, सकोरा वितरण, जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर, भव्य शोभायात्रा (मारवाड़ी जैन विद्यालय से प्रारंभ) शोभायात्रा विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए श्वेतांबर एवं दिगंबर जैन मंदिरों में संपन्न होगी। इसके पश्चात गंज मंडी प्रांगण में सकल जैन समाज के लिए गौतम प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

मंत्री यादव ने किया सहायक उपकरण वितरण, दिव्यांगों को मिला लाभ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) योजना के तहत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर के सहयोग से मानस भवन (रविशंकर स्टेडियम के पास) में आयोजित किया गया।

विगत दिवस भिलाई-03, नगर पालिक निगम सुपेला भिलाई और जिला पंचायत परिसर में दिव्यांगजनों के लिए चिन्हांकन शिविर लगाए गए थे। साथ ही 18 से 20 फरवरी तक मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों का चयन किया गया था। कार्यक्रम में कुल 296 हितग्राहियों को 584 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इनमें बैसाखी 86, व्हीलचेयर 41, मोटराइज्ड ट्राइसायकल 68, श्रवण यंत्र 128, स्माटफीन 11, सामान्य ट्राइसायकल 53, ब्रेल किट 20, स्मार्ट केन 30, क्रच एल्बो लार्च 34, वॉकिंग स्टिक 13, टीएलएम किट 21, वॉकर 13, कुशन 20, कृत्रिम पैर एवं कैलिपर 27, टेट्रापॉड 10, सीपी व्हीलचेयर 4 और रोलैटर 5 शामिल हैं।

इस अवसर पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगजनों को दैनिक जीवन में सुविधा होगी और वे सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। उन्होंने कहा कि तकनीक और संसाधनों की मदद से दिव्यांगजन हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे और अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचे।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, एनटीपीसी कंपनी से नील कुमार शर्मा, जे.के. दलाई, समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक ए.पी. गौतम, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति शिवेन्द्र परिहार, पार्षदगण ज्ञानेश्वर ताम्रकार, देवनारायण चंद्राकर, शिव नायक, मनीष कोठारी, गुलशन साहू, संजय अग्रवाल सहित विभाग के अधिकारी व कमर्चारी और बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

एसएमएस-2 में व्यापक स्वच्छता अभियान का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 विभाग में 16 से 31 मार्च 2026 तक मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 28 मार्च 2026 को एक व्यापक स्वच्छता अभियान एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर स्वच्छता एवं सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देना तथा कमर्चारियों में स्वच्छता के प्रति सतत जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर विभागीय परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न गतिविधियां संपन्न की गईं। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2) एसके घोषाल, महाप्रबंधक एसके देबसिकदर, महाप्रबंधक सौरभ जैन, महाप्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी बिनितोष बाला, एसपी द्विवेदी, दिनेश अग्रवाल, एनके गंगवाल, महाप्रबंधक बालम सिंह, आईपी मिश्रा, महाप्रबंधक जी. रविकांत, एसके मलिक, उप महाप्रबंधक वायके साहु, उप महाप्रबंधक नितिन अग्निहोत्री, सीजीएम सचिवालय से संबंधित अधिकारी, जूनियर इंजीनियर संजीव सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को अपने कार्यस्थल एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने हेतु प्रेरित किया। स्वच्छता को केवल एक अभियान न मानकर दैनिक कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित कार्यस्थल न केवल उत्पादकता को बढ़ाता है, बल्कि औद्योगिक सुरक्षा मानकों को भी सुदृढ़ करता है। इसके उपरांत सभी उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों ने स्वच्छता बनाए रखने हेतु सामूहिक शपथ ली। एस.एम.एस.-2 परिसर एवं उसके आसपास के क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें सभी ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

अडानी समूह की इकाइयों में 'इंटीग्रेटेड सेफ्टी सर्कल' के कार्यान्वयन में क्यूसीएफआई, भिलाई चैप्टर निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

औद्योगिक सुरक्षा मानकों को एक नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई), भिलाई चैप्टर ने अडानी समूह के साथ मिलकर 'इंटीग्रेटेड सेफ्टी सर्कल' (आईएससी) अभियान शुरू करने के लिए आधिकारिक साझेदारी की है। इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ मार्च 2026 के चौथे सप्ताह में अहमदाबाद स्थित 'अडानी कॉर्पोरेट हाउस' में किया गया, जो दोनों संगठनों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

कार्यक्रम में अडानी समूह और क्यूसीएफआई के शीर्ष नेतृत्व ने शिरकत की, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे- अनिल सरदानाः एमडी (अडानी पावर लिमिटेड एवं अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड), सीईओ-एनएमडी (धारावी), और ग्रुप सर्विस हेड (बिजनेस एक्सीलेंस एवं सेफ्टी), जयंत परिमलः सीईओ, पेट्रो-केमिकल्स, सीपी साहू, सीईओ, एआईएमएसएल, ऋतुराज मेहता, ग्रुप हेड-सेफ्टी, अडानी समूह, जयदेव नंदाः सलाहकार, अडानी पावर लिमिटेड, अविनाश मिश्रा, अध्यक्ष, क्यूसीएफआई डीके श्रीवास्तव, कार्यपालक निदेशक, क्यूसीएफआई, जीपी सिंह, सचिव, क्यूसीएफआई भिलाई चैप्टर। इसके साथ ही अडानी समूह के विभिन्न प्लांट हेड और अन्य गणमान्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अडानी समूह के सुरक्षा प्रमुख ऋतुराज मेहता ने स्वागत भाषण में आधुनिक औद्योगिक परिचालन में आईएससी की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य अतिथि अनिल सरदाना ने अपने संबोधन में कहा कि दैनिक जीवन और कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं को कम करने के लिए 'जोखिम की धारणा' सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने ऊंचाई पर काम करने और सीमित स्थानों के उदाहरण देते हुए बताया कि फिसलन और गिरने जैसी सामान्य दुर्घटनाओं को तब पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है जब कमर्चारी स्वयं सुरक्षा के प्रति जागरूक होकर एक-दूसरे को सुरक्षित कार्य करने के लिए प्रेरित करें।

क्यूसीएफआई भिलाईः आईएससी अवधारणा का प्रणेता

क्यूसीएफआई भिलाई चैप्टर इस आईएससी अवधारणा का मुख्य शिल्पकार और प्रणेता है। जी. पी. सिंह (सचिव, भिलाई चैप्टर), जो आईएससी कॉन्सेप्ट को विकसित करने वाले प्रमुख व्यक्तियों मे शामिल हैं, ने बताया कि यह मॉडल मौजूदा 'लीन सेफ्टी सर्कल' और 'जोखिम धारणा' का एक अनूठा संगम है। आईएससी ढांचा तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित हैः इन्फोर्म्ड कल्चर,रिपोर्टिंग कल्चर, अनुभवात्मक शिक्षण कल्चर।

जी. पी. सिंह ने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, "सुरक्षा संस्कृति में वास्तविक बदलाव तब दिखेगा, जब हम यह पूछना बंद कर देंगे कि प्रबंधन कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए क्या कर रहा है, और यह देखना शुरू करेंगे कि कर्मचारी अपनी और अपने सहयोगियों की सुरक्षा के लिए क्या कर रहा है।" भिलाई चैप्टर की विशेषज्ञता पूरे देश में सर्वविदित है। इनके मार्गदर्शन में सेल मे जून 2024 में अपनी सभी इकाइयों में 'सेल इंटीग्रेटेड सेफ्टी सर्कल' लागू करने वाला भारत का पहला संगठन बना। भिलाई चैप्टर वर्तमान में सेल-डीएसपी, आरएसपी, बीएसएल, बीआरपी, नालको, एनएमडीसी स्टील, जिंदल पावर, जिंदल स्टेनलेस, ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन, सारडा एनर्जी, जेएनआईएल और एमएसपी स्टील जैसे दिग्गज उद्योगों में आईएससी लागू करने में सहयोग कर रहा है।

इस सफल शुरुआत के बाद, क्यूसीएफआई भिलाई चैप्टर अब अडानी समूह की विभिन्न इकाइयों में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। इन सत्रों का उद्देश्य प्रत्येक कर्मचारी को सुरक्षा तंत्र का एक सक्रिय भागीदार बनाना है। क्यूसीएफआई भिलाई चैप्टर के पीआरओ सत्यवान नायक ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि भिलाई चैप्टर भारतीय उद्योगों में गुणवत्ता और सुरक्षा अवधारणाओं को बढ़ावा देने वाली एक अग्रणी संस्था है। यह चैप्टर 5 बार 'सर्वश्रेष्ठ चैप्टर अवार्ड' का विजेता रहा है। आईएससी के प्रणेता के रूप में, यह विश्व स्तरीय सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण और कार्यान्वयन रणनीतियां प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ की कबड्डी टीम में राजनांदगांव के पांच खिलाड़ी हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ट्रायवल गेम के तहत कबड्डी के दो मैच खेले गए। पहला मैच में बहुत संघर्ष बना रहा। इस मैच में विदर्भ ने झारखंड को केवल एक अंक से हराया बल्कि दूसरा मैच छत्तीसगढ़ और उड़ीसा महिला टीम के बीच हुआ। जिसमें छत्तीसगढ़ में 47 अंक अर्जित किया जबकि उड़ीसा ने केवल 21 अंक अर्जीत किया। यह मैच लगभग एक तरफ रहा ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ की टीम में राजनांदगांव

से पांच खिलाड़ी शामिल है। विजेता खिलाड़ियों को जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष ऋषि देव चौधरी सचिव एवं कोच ललित साहू नगर निगम कबड्डी संघ के अध्यक्ष महेश साहू सचिव तीरथ गिरी गोस्वामी और पूर्व सचिव तुलसी मांडवी कोच हरीश साहू और आजीवन अध्यक्ष अशोक चौधरी ने बधाई दी है और उम्मीद व्यक्त किया है कि इस टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल छत्तीसगढ़ ही प्राप्त करेगी।

कांकेर में 2 और नक्सलियों का सरेंडर

कांकेर। जिले में दो नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। सरेंड करने वाले नक्सलियों की पहचान हिड़मे और शंकर के रूप में की गई है। दोनों पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इसकी पुष्टि एसपी निखिल राखेचा ने की है। जानकारी के अनुसार, दोनों नक्सली एके-47 जैसे घातक हथियार के साथ पुलिस के पास पहुंचे और मुख्यधारा में लौटने की इच्छा जताई। पुलिस अधिकारियों ने आत्मसमर्पण की प्रक्रिया पूरी करते हुए उन्हें शासन की पुनर्वास नीति का लाभ देने की बात कही है।

सरकार द्वारा निर्धारित नक्सलवाद समाप्ति की डेडलाइन के दिन ही यह आत्मसमर्पण हुआ है, जिसे सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता माना जा रहा है। बताया जा रहा कि अब भी कांकेर के जंगलों में करीब 15 नक्सलियों की मौजूदगी बताई जा रही है, जिनके खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नक्सलियों से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने की अपील लगातार की जा रही है। आने वाले समय में और भी नक्सलियों के सरेंडर की उम्मीद है।

हत्याकांड का खुलासा : भाई ही निकला मास्टरमाइंड, सुपारी देकर कराई थी हत्या

त्रिनयन एप और सीसीटीवी फुटेज की मदद से खुलासा, 11 आरोपी हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

जिले में सेवानिवृत्त लेखापाल की रहस्यमयी गुमशुदगी का मामला अब सनसनीखेज हत्याकांड में बदल गया है। मुंगेली पुलिस ने त्रिनयन एप और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पूरे मामले का खुलासा करते हुए 11 आरोपियों और 4 विधि से संघर्षरत बालकों को गिरफ्तार किया है।

थाना लालपुर क्षेत्र के ग्राम मनोहरपुर निवासी सेवानिवृत्त लेखापाल दामोदर राजपूत (62) 21 मार्च को घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। अगले दिन उनकी मोटरसाइकिल संदिग्ध हालत में मिलने के बाद पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान त्रिनयन एप के जरिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें एक संदिग्ध कार मृतक का पीछा करती नजर आई। इसी कड़ी को पकड़ते हुए पुलिस आरोपियों तक पहुंची और पूरे हत्याकांड का खुलासा हो गया।

संपत्ति के लालच में रची थी यह जघन्य अपराध की साजिश

जांच में सामने आया कि मृतक के सगे भाई और परिजन ही इस हत्या के मास्टरमाइंड निकले। करोड़ों की जमीन और संपत्ति हड़पने के लिए उन्होंने पहले पिता-पुत्र के बीच विवाद पैदा कराया, फिर सुपारी देकर अपहरण कर हत्या करवा दी। आरोपियों ने फर्जी नोटरी दस्तावेज तैयार कर मृतक की संपत्ति अपने नाम कराने की भी साजिश रची थी, ताकि बेटे को संपत्ति से वंचित किया जा सके।

सुनसान रास्ते पर हत्या, जंगल में दफन

मुख्य आरोपी संजय यादव ने पूछताछ में बताया कि 21 मार्च को सुनसान रास्ते में दामोदर राजपूत को रोककर गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को कार में ले जाकर कवर्धा जिले के जंगल में नदी किनारे गड्ढा खोदकर दफना दिया गया।

सबूत मिटाने प्रयागराज तक पहुंचा मोबाइल

आरोपियों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए मृतक का मोबाइल प्रयागराज ले जाकर गंगा नदी में फेंक दिया, ताकि यह लगे कि वह साधु बन गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 96 हजार रुपये की सुपारी राशि, हुंडई ईऑन कार, स्पेशियो गोल्ड कार, मोटरसाइकिल और स्कूटी जप्त की गई है।

11 गिरफ्तार, 4 अपचारी निरुद्ध

पुलिस ने 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, वहीं 4 नाबालिगों को बाल संप्रेषण गृह भेजा गया है। मुंगेली पुलिस की इस कार्रवाई ने न केवल एक अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाई है, बल्कि यह भी उजागर किया है कि संपत्ति के लालच में रिश्तों का खून तक बहाया जा सकता है। यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

त्रिनयन एप बना बड़ा हथियार

पूरे मामले में त्रिनयन एप और सीसीटीवी विश्लेषण ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस ने रूट चार्ट तैयार कर संदिग्ध वाहन की पहचान की और उसी के आधार पर आरोपियों तक पहुंची। पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज रामगोपाल गर्ग और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में गठित टीम ने इस जटिल केस को सुलझाया। साइबर सेल और विभिन्न थानों की संयुक्त कार्रवाई से पूरे गिरोह का भंडाफोड़ हुआ।

अंतरराज्यीय ड्रग्स गिरोह का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार

दुर्ग। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दुर्ग पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में हेरोइन, नगदी और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। 29 मार्च 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि मिनी स्टेडियम के पास सुलभ शौचालय के नजदीक कुछ लोग अवैध रूप से हेरोइन की बिक्री कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 43 .14 ग्राम हेरोइन (कीमत लगभग 8,65,800) नगदी 3,640, 5 मोबाइल फोन (कीमत 24,500) कुल मिलाकर 8,90,940 की संपत्ति जब्त की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में विजय सिंह (26 वर्ष) अमृतसर (पंजाब) का निवासी, मीर नौशाद अली (26 वर्ष) दुर्ग निवासी और सुरेंद्र क्षत्रिय (23 वर्ष) दुर्ग निवासी शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी पंजाब के अमृतसर से जुड़ा है और दुर्ग में नशे की सप्लाई चेन का हिस्सा था। मामले में थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 111/2026 दर्ज कर धारा 8/21(क), 27(क) ढउ्ढर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

मौसम परिवर्तन, छाई बदली, हल्की बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, एक-दो स्थानों पर आज हल्की बारिश और गरज चमक की संभावना है। वहीं कुछ इलाकों में ओले गिरने और वज्रपात की आशंका जताई गई है। मौमस विभाग ने बताया कि 4 अप्रैल तक मौसम ऐसा ही रहने की संभावना है। बारिश और बादल छाए रहने से दिन के तापमान में गिरावट आने से गर्मी से राहत मिलेगी। प्रदेश में सोमवार को अधिकतम तापमान 40 ।5त्उ रायपुर में दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 2 ।9त्उ अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 19 ।6त्उ अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। वहीं बस्तर और बिलासपुर इलाके में बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के मुताबिक, एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर ईरान और उससे लगे कैस्पियन सागर के ऊपर ऊपरी हवा के चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण के रूप में सक्रिय है। साथ ही एक द्रोणिका निम्न से ऊपरी क्षोभमंडल तक फैली हुई है। वहीं पंजाब और हरियाणा के आसपास एक प्रेरित चक्रीय परिसंचरण बना हुआ है। इसके अलावा एक प्रमुख द्रोणिका उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश से मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ होते हुए अंदरुनी ओडिशा तक विस्तारित है।

पूर्वी भारत में भी सक्रियता बनी हुई है, जहां एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका उत्तर-पूर्व बिहार से मणिपुर तक, बांग्लादेश, मेघालय और दक्षिण-पूर्व असम के रास्ते 0 ।9 किलोमीटर ऊंचाई तक फैली है। पश्चिमी विदर्भ से दक्षिण तमिलनाडु तक एक अन्य द्रोणिका और बिहार से गंगेटिक पश्चिम बंगाल तक एक और द्रोणिका सक्रिय है। इन सभी मौसम प्रणालियों के प्रभाव से प्रदेश में 31 मार्च को एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा की संभावना है।

संगठित अपराध का बड़ा खुलासा : मोबाइल चोरी से बैंक लूट की साजिश, 6 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जिले में लगातार हो रही चोरी और बैंक लूट की कोशिशों के पीछे सक्रिय एक संगठित गिरोह का पुलिस ने बड़ा पर्दाफाश किया है। घरघोड़ा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के सरगना सहित 5 आरोपी युवक और 1 विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो चारपहिया वाहन, 60 मोबाइल फोन समेत कुल 26.47 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई है।

एक गैंग, कई वारदात

पुलिस जांच में सामने आया कि यही गिरोह मोबाइल दुकान में चोरी और दो अलग-अलग बैंकों में लूट के प्रयास में शामिल था। फरवरी में कुडुमकेला स्थित मोबाइल दुकान में बड़ी चोरी के बाद पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में थी। इसी दौरान धरमजयगढ़ के ग्रामीण बैंक और जूटमिल स्थित पंजाब नेशनल बैंक में भी नकबजनी की कोशिश हुई। घटनाओं के एक जैसे पैटर्न ने पुलिस को संगठित गिरोह की ओर संकेत दिया, जिसके बाद विशेष टीम गठित कर जांच तेज की गई।

सीसी टीवी और मुखबिर से मिली सफलता

घरघोड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर मुख्य आरोपी मोहम्मद अरसलान को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ सभी वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने एक-एक कर गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया।

इशारे पर चलता था नेटवर्क

पुलिस के अनुसार गिरोह का सरगना मोहम्मद अरसलान है, जिसने अपने हमउम्र युवकों का गैंग बनाकर योजनाबद्ध तरीके से वारदातों को अंजाम दिया। आरोपी पहले रेकी करते, फिर सड़क किनारे दुकानों और बैंकों को निशाना बनाते थे। मोबाइल दुकान में चोरी के बाद सामान को जंगल में छिपाकर बाद में बेचने की योजना थी। वहीं बैंक लूट के प्रयास में आरोपी उउळश सिस्टम तक उखाड़ ले गए थे, ताकि सबूत मिटाया जा सके।

बैंक लूट की साजिश नाकाम

आरोपियों ने धरमजयगढ़ और जूटमिल स्थित बैंकों में लूट का प्रयास किया, लेकिन पुलिस की सक्रियता के चलते वे सफल नहीं हो सके। पुलिस ने समय रहते गिरोह को पकड़कर एक बड़ी वारदात को टाल दिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से मारूति सियाज कार, महिंद्रा XUV-500, 60 मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किया है। कुल बरामदगी की कीमत 26.47 लाख रुपये आंकी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि पुलिस ने प्रोफेशनल तरीके से संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और बैंकों की सुरक्षा सवीच्च प्राथमिकता है और ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कई थानों में दर्ज हैं केस

आरोपियों के खिलाफ घरघोड़ा, धरमजयगढ़ और जूटमिल थानों में विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। रायगढ़ पुलिस की इस कार्रवाई ने न केवल एक बड़े संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है, बल्कि संभावित बैंक लूट जैसी बड़ी वारदात को भी समय रहते टाल दिया है। जिले में सक्रिय अपराधियों के लिए यह एक कड़ा संदेश माना जा रहा है।

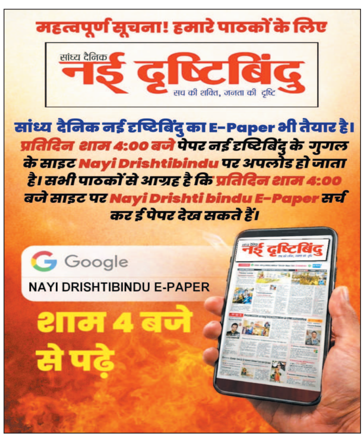

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।